

प्रश्न-पत्र की योजना 2024-2025

कक्षा -12th

विषय -हिन्दी अनिवार्य

अवधि -3 घण्टे 15

पूर्णांक-80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार-

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	13	16.25
2.	अवबोध	30	37.5
3.	ज्ञानोपयोग	27	33.75
4.	कौशल	7	8.75
5.	विश्लेषण	3	3.75
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार-

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	16	1	16	20	33.33	20
2.	रिक्त स्थान	6	1	6	7.5	12.5	10
3.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	12	15	25	50
4.	लघूत्तरात्मक	5	2	10	12.5	10.41	35
5.	दीर्घउत्तरात्मक	5	3	15	18.75	10.41	40
6.	निबंधात्मक	4	6(2), 4(1), 5(1)	21	26.25	8.33	40
योग		48		80			195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार-

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	आरोह गद्य	18	22.5
2	आरोह पद्य	14	17.5
3	वितान	12	15
4	अभिव्यक्ति व जनसंचार के माध्यम	07	8.75
5	रचनात्मक लेखन	09	11.25
6	व्याकरण	8	10
7	अपठित	12	15

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट 2024-2025

कक्षा -12

विषय :-हिन्दी अनिवार्य

समय 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक- 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उपइकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोग					कौशल					विश्लेषण					योग		
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक				
1	आरोह गद्य				3(1)	1(-)	1(4)									2(1)	4(1)							2(1)	1(-)			1(-)	18(8)
2	आरोह पद्य					1(-)	1(3)									2(1)	4(1)							2(1)	1(-)			1(-)	14(6)
3	वितान						1(5)									2(2)	3(1)												12(8)
4	अभिव्यक्ति व जनसंचार के माध्यम						1(2)			2(1)							3(1)												7(4)
5	व्यावहारिक व्याकरण		1(6)				1(2)																						8(8)
6	रचना-पत्र					1(-)											2(1)										1(-)	4(1)	
7	निबंध					1(-)											3(1)								1(-)			5(1)	
8	अपठित गद्य								1(6)																			6(6)	
9	अपठित पद्य								1(6)																			6(6)	
	योग		6(6)			3(1)	4(-)	16 (16)		12 (12)	2(1)					8(4)	6(2)	13 (4)						4(2)	3(-)				80(48)
	सर्वयोग	13(7)					30(29)					27(10)					7(2)					3(-)					80(48)		

विकल्पों की योजना :- खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोट:-कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

Senior Secondary Examination, 2025

नमूना प्रश्न-पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी अनिवार्य

Sub : Hindi Compulsory

कक्षा – 12वीं

Class: 12th

समय : 03 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

‘खण्ड – अ’

प्र.1) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:- (1x16=16)

i) जसदेव सिंह और नरोत्तमपुरी किस विशेष लेखन से संबन्धित थे –

- | | |
|--------------|------------|
| अ) विदेशनीति | ब) कृषि |
| स) खेल | द) विज्ञान |

ii) जनसंचार माध्यमों में ‘रेडियो’ किस प्रकार का माध्यम है—

- | | |
|-------------------|----------------------------|
| अ) श्रव्य माध्यम | ब) दृश्य माध्यम |
| स) मुद्रित माध्यम | द) श्रव्य एवं दृश्य माध्यम |

iii) मराठी एवं कोंकणी भाषाओं की लिपि है –

- | | |
|-------------|-------------|
| अ) गुरुमुखी | ब) रोमन |
| स) फारसी | द) देवनागरी |

iv) पश्चिमी हिन्दी की बोलियों में सम्मिलित बोली है –

- | | |
|------------|-----------|
| अ) अवधी | ब) ब्रज |
| स) भोजपुरी | द) बागड़ी |

v) कवि कुँवरनारायण की कविता ‘कविता के बहाने’ उनके किस काव्य संग्रह से पाठ्य पुस्तक में संग्रहित की गई है –

- | | |
|---------------|-------------------|
| अ) इन दिनों | ब) कोई दूसरा नहीं |
| स) अपने सामने | द) चक्रव्यूह |

vi) सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ की कविता ‘बादल राग’ किसका प्रतीक है –

- | | |
|----------------|--------------|
| अ) शान्ति का | ब) करुणा का |
| स) क्रान्ति का | द) नवीनता का |

vii) ‘फिराक’ की रुबाई किस कवि के वात्सल्य की सादगी की याद दिलाती है –

- | | |
|--------------------|-----------------|
| अ) तुलसी दास जी की | ब) सूरदास जी की |
| स) रहीम की | द) रसखान की |

viii) 'भक्तिन' पाठ साहित्य की दृष्टि से किस प्रकार की विधा है –

- | | |
|---------------------------|--------------------|
| अ) कहानी | ब) यात्रा वृत्तांत |
| स) संस्मरणात्मक रेखाचित्र | द) निबंध |

ix) 'शेर के बच्चे' की उपाधि किसे दी गई –

- | | |
|-------------------|-------------------|
| अ) लुट्ठन सिंह को | ब) बादल सिंह को |
| स) चाँद सिंह को | द) बहादुर सिंह को |

x) 'शिरीष के फूल' नामक निबंध हजारी प्रसाद द्विवेदी के किस काव्य संग्रह से लिया गया है–

- | | |
|--------------|--------------------|
| अ) कल्पलता | ब) विचार प्रवाह |
| स) आलोक पर्व | द) विचार और वितर्क |

xi) 'बाजार दर्शन' नामक निबंध के रचनाकार हैं–

- | | |
|--------------------|--------------------------|
| अ) धर्मवीर भारती | ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| स) जैनेन्द्र कुमार | द) फणीश्वर नाथ 'रेणु' |

xii) 'आनंदा' कौनसी कक्षा में पढ़ता था –

- | | |
|-----------|-----------|
| अ) सातवीं | ब) तीसरी |
| स) चौथी | द) पाँचवी |

xiii) यशोधर बाबू किसे अपना गुरु मानते थे ?

- | | |
|-----------------|---------------|
| अ) आनन्दा को | ब) किशन दा को |
| स) भगवान दास को | द) पंतजी को |

xiv) 'जूझ' पाठ के लेखक को शिक्षा से पुनः जोड़ने में किसका योगदान था –

- | | |
|----------------------|------------------|
| अ) दत्ताजी राव देसाई | ब) रणनवरे मास्टर |
| स) मास्टर मंत्री | द) वसन्त पाटिल |

xv) सिन्धुधाटी सभ्यता मूलतः थी –

- | | |
|-----------------------|-------------------------|
| अ) व्यापारिक सभ्यता | ब) औद्योगिक सभ्यता |
| स) खेतिहर एवं पशुपालक | द) पर्यटन प्रधान सभ्यता |

xvi) “अरे ये वैडिंग एनीवर्सरी वगैरह सब गौरे साहबों के चोंचले हैं।” कथन है –

- | | |
|---------------|---------------|
| अ) किसन दा | ब) चड्ढा साहब |
| स) यशोधर बाबू | द) मेनन |

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(i xvi=6)

- (i) वक्ता या लेखक के अभीष्ट का बोध कराने का गुण..... कहलाती है।
- (ii)शक्ति विविध आयामी अर्थ अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।
- (iii) ‘चारु चन्द्र की चंचल किरणें’ काव्य पंक्ति मेंअलंकार है।
- (iv) एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार भिन्न-भिन्न अर्थों में प्रयुक्त होता है, तब वहाँअलंकार होता है।
- (v) ‘घोषणा पत्र’ शब्द के लिए सही अंग्रेजी शब्द (पारिभाषिक शब्द)है।
- (vi) PROBATION ‘शब्द का सही हिन्दी शब्द (पारिभाषिक शब्द)है।

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। (1x6= 6)

तीर्थयात्रा की संस्था प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को अपनी विशेषताओं में से एक हैं। संसार के और किसी देश में देवालयों और तीर्थस्थानों का ऐसा जाल बिछा हुआ नहीं दिखाई देता, जैसा हमारी इस विस्तृत मातृभूमि पर, लोगों के धार्मिक उत्साह के परिणाम स्वरूप फैला हुआ है। लोगों ने इस तरह अपने देश के प्रति श्रद्धा प्रकाशित करने का यत्न किया है। तीर्थयात्रा की संस्था अंततोगत्वा मातृभूमि के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति है, यह देश की पूजा की लाक्षणिक रीतियों में से एक है। पितृ भूमि के प्रति प्रेम ने अपने उत्साह की तीव्रता में सारे देश में हजारों तीर्थ स्थानों को जन्म दिया है, जिससे उसका प्रत्येक भाग पवित्र और पूजा योग्य माना जाए।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
- (ii) भारतीय संस्कृति की कोई एक विशेषता बताईए।
- (iii) लोगो ने देश के प्रति श्रद्धा कैसे अभिव्यक्त की है?

(iv) देश की पूजा की एक लाक्षणिक रीति बताइए।

(v) हजारों तीर्थ स्थानों का जन्म कैसे हुआ ?

(vi) देश का प्रत्येक भाग पूजनीय कैसे बना ?

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए ?
(6 x1= 6)

आओ मिलें सब देश बांधव, हार बनकर देश के
साधक बने सब प्रेम से, सुख शांतिमय उद्देश्य के
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहों ?
बनती नहीं क्या एक माला, विविध सुमनों की कहों।
रखों परस्पर मेल, मन में छोड़कर अधिवेकता,
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता
वो एक एकादश हुए किसने नहीं देखे सुने,
हाँ! शून्य के भी योग से है, अंक होते दस गुने।

(i) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) साम्प्रदायिक विविधता की तुलना किससे की गई है ?

(iii) कवि ने किसकी माला बनाने को कहा है ?

(iv) किस भेद से एकता नहीं मिट सकती है ?

(v) किसके योग से अंक दस गुने हो जाते हैं ?

(vi) पद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

‘खण्ड – ब’

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए—

प्र.5) हिन्दी में ‘नेट पत्रकारिता’ पर टिप्पणी लिखिए। (2)

प्र.6) ‘बूढ़ी मुँह मुँहासे लोग करें तमासे’ कहावत किसने किस संदर्भ में कही है ?
‘सिल्वर वेडिंग’ कहानी के आधार पर लिखिए। (2)

प्र.7) मुअनजो-दड़ों का समाज एक सुसंकृत समाज था। पठित पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

प्र.8) “बात और भी पेचीदा होती चली गई।” से कवि कुँवर नारायण का क्या आशय है ? पठित कविता के आधार पर लिखिए। (2)

प्र.9) बाजार का बाजारूपन कौन बढ़ाते हैं ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

‘खण्ड – स’

प्रश्न सं. 10 से 14 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए—

प्र.10) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष के फूल की तुलना कबीर के व्यक्तित्व से क्यों की है। (2)

अथवा

भीमराव अम्बेडकर के अनुसार एक आदर्श समाज में किन-किन गुणों समावेश होना चाहिए? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र.11) ‘रामचरित मानस’ के लंका काण्ड में तुलसीदास जी ने राम का पूरी तरह मानवीकरण कर दिया। कैसे ? स्पष्ट कीजिए। (3)

अथवा

‘छोटा मेरा खेत’ कविता की मूल संवेदना लिखिए।

प्र.12) ‘जूझ’ पाठ के आधार पर लेखक के संघर्ष को स्पष्ट कीजिए। (3)

अथवा

सिल्वर वेडिंग पाठ के आधार पर यशोधर बाबू की चारित्रिक विशेषताओं पर किसका प्रभाव पड़ा, आप उन पर पड़े प्रभाव से कहाँ तक सहमत हैं ?

प्र.13) रघुवीर सहाय अथवा जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय लिखिए। (3)

प्र.14) फीचर लेखन को उदाहरण सहित समझाइए। (3)

अथवा

‘रोजगारोन्मुखी शिक्षा’ की आवश्यकता विषय पर एक आलेख लिखिए।

‘खण्ड – द’

प्र.15) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(6)

नभ में पाँती —बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें,
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रखो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें,
नभ में पाँती—बँधी बगुलों की पाँखें।

अथवा

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर
मैं हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ।
कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है, हाय जहाँ पर दाना।
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे?
मैं सीख रहा हूँ? सीखा ज्ञान भुलाना।

प्र.16) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

(6)

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो किन्तु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि उपचार पथ्यविहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी सभी की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी।

अथवा

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक स्वामी का सम्बन्ध है यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी बारी से आने जाने वाले अंधेरे उजाले और आंगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख—दुख देते हैं उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

- प्र.17)** स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 'दीयापुर' का प्रधानाचार्य मानकर पुलिस अधीक्षक महोदय को एक अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों को यातायात सम्बन्धी नियमों की जानकारी देने हेतु निवेदन किया गया हो। (4)

अथवा

सचिव, राजस्थान सरकार पशुपालन विभाग की ओर से भेड़ पालन फार्म खोलने हेतु एक अधिसूचना लिखिए।

- प्र.18)** निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए। (5)

- (1) समाज में जीवन मूल्यों का महत्त्व
- (2) सामाजिक संचार माध्यमों (सोशियल मीडिया) का बढ़ता दुरुपयोग
- (3) हमारे महाकाव्य
- (4) बाढ़ का दृश्य

प्रश्न-पत्र की योजना 2024-2025

कक्षा — 12th

विषय —English Compulsory

अवधि —3.15 Hours.

पूर्णांक—80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार—

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	24	30
2.	अवबोध	24	30
3.	ज्ञानोपयोग	16	20
4.	कौशल	08	10
5.	विश्लेषण	08	10
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार—

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	15	1	15	18.75	29.41	15
2.	रिक्त स्थान	6	1	6	7.50	11.76	10
3.	अतिलघूत्तरात्मक	15	1	15	18.75	29.41	30
4.	लघूत्तरात्मक	8	2	16	20	15.69	40
5.	दीर्घउत्तरात्मक	3	3	9	11.25	5.88	40
6.	निबंधात्मक	4	1X4 3X5	4 15	23.75	7.85	60
योग		51		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : प्रश्न संख्या 3,4,5,11,13,14 एवं 16 में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार—

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	Unseen Passage	9	11.25
2	Unseen Passage	6	7.50
3	Advertisement/Notice/Invitation/Arguments	4	5
4	Report /Paragraph	5	6.25
5	Letter/Application	5	6.25
6	Clauses	2	2.50
7	Synthesis	2	2.50
8	Phrasal verbs	3	3.75
9	Conjunctions	3	3.75
10	Flamingo (Text)	13	16.25
11	Poetry (Text)	12	15
12	Vistas (Text)	16	20
Total		80	100

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट 2024-2025

कक्षा –12th

विषय :-English Compulsory

समय 3:15 Hours.

पूर्णांक-80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग	
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक		
1	Unseen Passage								1(7)						1(2)																		9(9)
2	Unseen Passage														1(6)																		6(6)
3	Advertisement/Notice/Invitation/Arguments						4(1)*																										4(1)
4	Report /Paragraph												5(1)*																				5(1)
5	Letter/Application																									5(1)*							5(1)
6	Clauses															2(1)																	2(1)
7	Synthesis															2(1)																	2(1)
8	Phrasal verbs		1(3)																														3(3)
9	Conjunctions		1(3)																														3(3)
10	Flamingo (Text)	1(6)				3(1)*										2(2)																	13(9)
11	Poetry (Text)						5(1)*				3(1)*																			2(2)			12(4)
12	Vistas (Text)							1(9)																3(1)*						2(2)			16(12)
	योग	6(6)	6(6)			3(1)	9(2)	9(9)		7(7)		3(1)	5(1)			8(8)	8(4)							3(1)	5(1)					8(4)			80(51)
	सर्वयोग	24(15)						24(18)						16(12)						8(2)						8(4)						80(51)	

विकल्पों की योजना :- प्रश्न संख्या 3,4,5,11,13,14 एवं 16 में आंतरिक विकल्प है नोट:-कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' की द्योतक है।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा-2025

मॉडल प्रश्नपत्र

विषय – English Compulsory

कक्षा – 12th

समय– 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक – 80

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर अपना नामांक अनिवार्यतः लिखें।
Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
All the questions are compulsory.
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
Write the answer to each question in the given answer-book only.
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
Write down the serial number of the question before attempting it.
6. प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
If there is any kind of error/difference/contradiction in Hindi & English version of the question paper, the question of the Hindi version should be treated valid.

SECTION- A

1. Read the following passage carefully and answer the questions that follow:-

The therapeutic value and healing powers of plants were demonstrated to me when I was a boy of about ten. I had developed an acute persistent abdominal pain that did not respond readily to hospital medication. My mother had taken me to the city's central hospital on several occasions where different drugs were tried on me. In total desperation she took me to Egya Mensa, a well known herbalist in my home-town in the western province of Ghana. This man was no stranger to the medical doctors at the hospital. He had earned the reputation of offering excellent help when they were confronted with difficult cases where western medicines had failed to effect a cure.

After a brief interview, not very different from what goes on daily in the consulting offices of many general medical practitioners in the United States, he left us waiting in his consulting room while he went out to the field. He returned with several leaves and the bark of the tree and one of his attendants immediately prepared a decoction. I was given a glass of this preparation, it tasted extremely bitter, but within an hour or so I began to feel relieved. The rest of the decoction was put in two large bottles so that I could take doses periodically. Within about three days, the frequent abdominal pains stopped and I recall gaining a good appetite. I have appreciated the healing powers of medicinal plants ever since.

My experience may sound unusual to those who come from urban areas of the developed world but for those in the less affluent nations such experiences are a common occurrence. In fact, demographic studies by various national governments and inter governmental organisations such as the World Health Organisation (WHO) indicate that for 75 to 90 percent of the rural populations of the world, the herbalist is the only person who handles their medical problems.

In African culture, traditional medical practitioners are always considered to be influential spiritual leaders as well, using magic and religion along with medicines. Illness is handled with the individual's hidden spiritual powers and with application of plants that have been found especially to contain healing powers.

Over the years I have come to distinguish three types of medicinal practitioners in African societies and to classify the extent to which each uses medicinal plants. The first is the herbalist who generally enjoys the prestige and reputation of being the real traditional medical professional. The second group represents the divine healers. They are, fetish priests whose practice depends upon their purported supernatural powers of diagnosis credited with ability to intercept the evil deeds of a witch.

- (i) What are traditional medical practitioners considered to be, in Africa ? (1)
- (ii) What powers do the plants have ? (1)
- (iii) How did the writer feel relief ? (1)
- (iv) What does the study of WHO tell ? (1)
- (v) Why did the writer's mother take him to Egya Mensa ? (1)
- (vi) What is the status of traditional medicinal practitioners distinguish with ? (1)

Find out the word from the passage which means :-

- (i) Depression (1)
- (ii) Fluid (1)
- (iii) Longing (1)

2. Read the following passage carefully and answer the questions that follow :-

Roshni Bairwa remembers running all the way from her home in Mahmoodnagar Dhani village to the room where the 'balsamoooh' (children's group) met. "My grandparents are getting me married, You have to do something' the girl then 12 year old told, the 20 or so children sitting there.

The children, all aged between eight and sixteen, trooped up to Roshni's house and urged her grandparents to stop the impending wedding . Others including village elders and teachers, joined in. The wedding was stopped, She had discovered a way out of the quagmire with the help of a local NGO and the village children.

When she was in 12th, the pressure to get married returned .This time her uncle found a match for her. When she resisted, she was taunted and beaten. People would point to her as the girl who brought shame to her family and asked their children not to speak to her. I was 16 years old and alone in the world . I walked to school with my eyes fixed to the ground . I would think sometimes what have I done that is so terrible for every one to hate me so much ?

"I would cry myself to sleep", recalls Roshni, who lost her father when she was two and had been abandoned by her mother shortly after. But even in those dark moments, Roshni didn't give up, moving out of the village to Peeplu tehsil in Rajasthan where she rented a room and attended college.

With education and independence came a sense of confidence. " I kept in touch with the children in the village. Every time, there was a child marriage, they would call me and I would go to stop it. I realised, I had already been thrown out of the village, the worst had already happened, what else could the villagers do? So I went and fought with every one who was getting their child married , " she says with a laugh. So far she has stopped over a dozen marriages.

Even without the support of the law , young girls have been crusading against the practice . Earlier this month, 19 year old Sushila Bishnoi from Barmer succeeded in getting her marriage annulled, submitting photographs and congratulatory messages from her husband's facebook account to the court. The court accepted these as evidence that the union took place when both the bride and groom were 12 years old and declared the marriage invalid .

Seema Bairwal (name changed) was 15 when she was married to a man a few years older. Later when she started attending 'Bal Smoooh' meeting with NGO Shiv Shiksha Samiti, and Save the Children, it dawned on her that she had a choice, "I learnt that my life is mine. I have the power to say no to marriage.

- (i) What is rebelled against by the brides in the passage ? (1)
- (ii) Who helped Roshni at the age of twelve years to succeed in her mission ? (1)
- (iii) How did people of the village behave with Roshni when she was sixteen years old? (1)
- (iv) Why did Roshni move out of the village ? (1)
- (v) Write the word from the passage which means: 'fighting' (1)
- (vi) Write the opposite word of 'Failed' from the passage. (1)

SECTION- B

3. You are Abha/Abhay,. The secretary of Govt. Sr. Sec. School, Amritsar . The school is going to organize 'Yuva Mahotsav' in the next month. Invite the names of the participants for various activities through notice.

(4)

OR

Prepare a thanking message to your friend Leena/Tejasvi whose invitation to their sister's marriage is accepted by you. Sign yourself as Riddhi/Sidharth.

4. Your school organised a 'Nipun Mela' Prepare a report for the local news-paper using the given hints and your experience. (planning, model display, stalls, decoration, visit of guests, prizes)

(5)

OR

Write a paragraph on the topic:
'Advantages of yoga'

5. Write a letter to the Editor of a local daily newspaper to draw the attention of authorities on the condition of roads in the city.

(5)

OR

Write an application for the post of a school lecturer in a school . Enclose your detailed C.V.also.

SECTION- C

6. Join the following sentence using the word given in the bracket :

I am convinced .

I am doing the same thing. (that)

(2)

7. Combine set of sentences into one sentence as directed.

Suman learnt all answers.

She got first position in the class.

(Make a compound sentence)

(2)

8. Fill in the blanks by choosing the appropriate phrasal verbs given in the brackets :

- (i) The Second World War.....in 1939.

(1)

(broke out /broke off)

- (ii) The Government is trying to.....prices.

(1)

(bring out/bring down)

- (iii) You canyour work without fear.

(1)

(carry on / carry out)

- 9.Fill in the blanks by choosing the correct conjunction given in the brackets :

- (i) Siddhi saw her brother ran to hug him.

(1)

(and /so)

- (ii)it was raining, I was ploughing the field .

(1)

(While /When)

- (iii) A book is a book.....there is nothing in it .

(1)

(if /although)

SECTION- D

10. Read the following passage carefully and answer the questions that follow :

Besides, the whole school seemed so strange and solemn. But the thing that surprised me most was to see, on the back benches that were always empty, the village people sitting quietly like ourselves; Old Houser, with his three cornered hat, the former Mayor, the former Postmaster, and several others, besides. Everybody looked sad and Houser had brought an old primer, thumbd at the edges and he held it open on his knees with his great spectacles, lying across the pages.

While I was wondering about it all, M. Hamel mounted his chair and in the same grave and gentle tone which he had used to me, said "My children, this is the last lesson I shall give you. The order has come from Berlin to teach only German in the schools of Alsace and Lorraine. The new master comes tomorrow.

- (i) The most surprising to the boy was to see -
(A) back benches were filled by villagers.
(B) big crowd in school.
(C) M. Hamel was in very good dress.
(D) everyone was very serious and gloomy . (1)
- (ii) The schools of Alsace and Lorraine will teach -
(A) French (B) German
(C) English (D) Russian (1)
- (iii) The villagers who were sitting in class were all looking very -
(A) serious (B) sad
(C) grumpy (D) happy (1)
- (iv) The lesson taught by M. Hamel that day to students was -
(A) first lesson (B) moral lesson
(C) last lesson (D) spiritual lesson (1)
- (v) Choose the word similar in meaning to 'Queer' -
(A) Strange (B) Quiet
(C) Sad (D) Thumbed (1)
- (vi) Choose the word opposite in meaning to 'Present' -
(A) Now (B) Everyday
(C) Former (D) Strange (1)

11. Answer any one of the following questions in about 60 words :- (1X3=3)

Describe about Seemapuri.
(Lost Spring)

OR

Write the theme of the lesson 'The Rattrap'
(The Rattrap)

12. Answer the following questions in 20-30 words :-

- (i) What is the 'Misadventure' the writer William Douglas speaks about ?
(Deep Water) (2)
- (ii) Who was Rajkumar Shukla ?
(Indigo) (2)

13. Explain any one of the following stanzas with the reference to the context : (1X5=5)

Aunt Jennifer's tigers prance across a screen,
Bright topaz denizens of a world of green.
They do not fear the men beneath the tree ;
They pace in sleek chivalric certainty.

OR

Fishermen in the cold sea.
would not harm whales
and the man gathering salt

would look at his hurt hands .

14. Answer the following question in about 60 words :

(1X3=3)

Write the central idea of the poem 'Keeping Quiet'
(Keeping Quiet)

OR

Why is 'grandeur' associated with the 'mighty' dead ?
(A Thing Of Beauty)

15. Answer the following questions in about 20-30 words :

- (i) What is the 'Childish longing' that the poet refers to ? (2)
(A Roadside Stand)
- (ii) What idea do you form about the poetess as a daughter ? (2)
(My Mother At Sixty Six)

16. Answer the following question in about 60 words :

(1X3=3)

Write the character sketch of Dr. Sadao.
(The Enemy)

OR

Why is Antarctica the place to go to, to understand the earth's present, past and future?
(Journey To The End Of The Earth)

17. Answer the following questions in about 20-30 words :

- (i) What do you infer from Sam's letter to Charley ? (2)
(The Third Level)
- (ii) What is it that draws Derry towards Mr. Lamb ? (2)
(On The Face Of It)

18. Choose the correct alternative :

- (i) What is the name of the narrator of the story 'The Third Level '?
(A) Louisa (B) Sam
(C) Fames (D) Charley (1)
- (ii) In what hour was the prince born ?
(A) The hour of the moon (B) The hour of the star
(C) By the blessings of god (D) The hour of the bull (1)
- (iii) Who were stretching and sunning themselves ?
(A) Whales (B) Crabeater Seals
(C) Penguins (D) Star Fish (1)
- (iv) What was the messenger wearing ?
(A) Official uniform (B) Warm clothes
(C) Wollen clothes (D) Civil dress (1)
- (v) What did the kids call Mr. Lamb ?
(A) Mr. Lamb (B) Lamey Lamb
(C) Fat Lamb (D) Old Lamb (1)
- (vi) How was the day on the land of apples ?
(A) rainy day (B) very hot
(C) very cold (D) normal (1)

- (vii) What do people not speak openly about ?
(A) Untouchability (B) Poverty
(C) Corruption (D) None of the above (1)
- (viii) What does Derry like to hear ?
(A) sound of rain on roof (B) sound of wind
(C) songs (D) sermons (1)
- (ix) How was the behaviour of Yumi ?
(A) Kind (B) Pitiful
(C) Stubborn (D) Careless (1)

BSEER

कक्षा - वरिष्ठोपाध्याय:

विषय: - जैनदर्शनम् - 52

समय: 3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांका :- 80

1. उद्देशानाम् अङ्कभारः

क्र.सं.	उद्देश्यम्	अङ्कभारः	प्रतिशतम्
1	ज्ञानम्	25	31.25
2	अवबोधः	26	32.50
3	ज्ञानोपयोगः	11	13.75
4	कौशलम्	09	11.25
5	विश्लेषणम्	09	11.25
	योगः	80	100

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अङ्कभारः

क्र.सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अङ्काः	कुलङ्काः	प्रतिशतम् (अङ्कानाम्)	प्रतिशतम्(प्रश्नानाम्)	सम्भावितः समयः
1.	वस्तुनिष्ठः	1/18	1	18	22.50%	33.96%	30 निमेषाः
2.	रिक्तस्थानप्रश्नाः	1/06	1	06	07.50%	11.32%	15 निमेषाः
3.	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	1/12	1	12	15.00%	22.64%	30 निमेषाः
4.	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	18.86%	40 निमेषाः
5.	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	04/04	3	12	15.00%	07.54%	40 निमेषाः
6.	निबन्धात्मकप्रश्नाः	03/03	4	12	15.00%	05.66%	40 निमेषाः
	योगः	20/53		80	100%	100%	195 निमेषाः

विकल्पयोजना - खण्ड-स-दयोः विद्यते ।

3. विषयवस्तूनाम् अङ्कभारः -

क्र.सं.	विषयवस्तु	अङ्कभारः	प्रतिशतम्
1.	प्रमाण-सामान्यप्रकाशः, प्रत्यक्षप्रकाशः	40	50.00
2.	परोक्षप्रकाशः	40	50.00
	योगः	80	100

प्रश्नपत्रस्य नीलपत्रम्

कक्षा - वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः - जैनदर्शनम्

समयः - सपादहोरात्रयम्

पूर्णाङ्काः - 80

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः
		बहुविकल्प. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुविकल्प. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुविकल्प. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुविकल्प. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः							
	प्रमाणसामान्यप्रकाशः																															
1.	प्रत्यक्षप्रकाशः	5 (1)	2 (1)	2 (1)	4 (2)			4 (-)	1 (-)	2 (-)	4 (2)	3 (1)			2 (-)	4 (2)	3 (1)								2(1)					2(-)	40(12)	
2.	परोक्षप्रकाशः	5 (-)	1 (-)	2 (-)	4 (2)			4 (-)	2 (-)	2(-)	4 (2)				2(-)									3 (2)	4 (2)				3 (-)	4 (-)	40(8)	
	योगः	10(1)	3(1)	4(1)	8(4)			8 (-)	3 (-)	4 (-)	8 (4)	3 (1)			4 (-)	4 (2)	3 (1)							3 (2)	6(3)				3 (-)	6(-)		
सर्वयोगः		25(7)						26(5)						11(3)						9(5)						9(-)						80 (20)

विकल्पानां- योजना :- विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम्- कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा ।

No. of Questions- 20

No. of printed Pages –

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः - जैनदर्शनम् - 52

समयः - 3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांक - :80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्

वरिष्ठ-उपाध्यायपरीक्षा, 2025

जैनदर्शनम्, कोड-52

समय :- 3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांक : 80

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः -

18x1 = 18

(i) न्यायदीपिकाग्रन्थस्य कर्तुः नाम किम् ?

1

(अ) आचार्यः माणिक्यनन्दिः (ब) अभिनवधर्मभूषणयतिः

(सं) आचार्यः नेमिचन्द्रः (द) आचार्यः पूज्यपादः

(ii) येनान्यत्वं लक्ष्यते तत् किम् ?

1

(अ) लक्षणम् (ब) लक्ष्यम्

(स) साध्यम् (द) साधनम्

(iii) बाधितलक्ष्यवृत्तिः- 1

(अ) अव्याप्तः (ब) असम्भवः

(स) अतिव्याप्तः (द) अनध्यवसायः

(iv) 'अनुभूतिः प्रमाणम्' केन स्वीकृतम् ? 1

(अ) प्रभाकरमतेन (ब) जैनमतेन

(स) मीमांसकमतेन (द) योगमतेन

(v) विशदप्रतिभासत्वं कस्य लक्षणम् ? 1

(अ) प्रमाणस्य (ब) प्रत्यक्षस्य

(सं) लक्षणस्य (द) परोक्षस्य

(vi) परमनोगतार्थविषयस्य ज्ञानं वर्तते - 1

(अ) मतिज्ञानम् (ब) श्रुतज्ञानम्

(स) अवधिज्ञानम् (द) मनःपर्ययज्ञानम्

(vii) 'यथाऽयं पुरुषः' इत्युदाहरणं विद्यते - 1

(अ) अवग्रहः (ब) ईहा

(स) अवायः (द) धारणा

(viii) कतिपयविषयमस्ति - 1

(अ) सकलम् (ब) विकलम्

(स) निकलम् (द) अकलम्

(ix) मनःपर्यायज्ञानावरण-वीर्यान्तरायक्षयोपशमसमुत्थं परमनोगतार्थविषयज्ञानम् - 1

(अ) मतिज्ञानम् (ब) श्रुतज्ञानम्

(स) केवलज्ञानम् (द) मनःपर्ययज्ञानम्

(x) 'अवैशद्यम्' नाम किम् ? 1

(अ) अस्पष्टत्वम् (ब) स्पष्टत्वम्

(स) निर्मलत्वम् (द) स्वच्छत्वम्

(xi) परोक्षप्रमाणं कतिविधम् ? 1

(अ) चतुर्विधम् (ब) पञ्चविधम्

(स) त्रिविधम् (द) द्विविधम्

(xii) स्मरणानुभवानन्तरं ज्ञानं भवति ? 1

(अ) मतिज्ञानम् (ब) श्रुतज्ञानम्

(स) प्रत्यभिज्ञानम् (द) केवलज्ञानम्

(xiii) अनुभवस्मृतिहेतुकं संकलनात्मकं ज्ञानं भवति - 1

- (अ) मतिज्ञानम् (ब) श्रुतज्ञानम्
(स) प्रत्यभिज्ञानम् (द) केवलज्ञानम्

(xiv) व्याप्तिज्ञानं किम् ? 1

- (अ) स्मृतिः (ब) अनुमानम्
(स) उपमानम् (द) तर्कः

(xv) साधनात्साध्यविज्ञानं किम् ? 1

- (अ) उपमानम् (ब) अनुमानम्
(स) प्रत्यभिज्ञानम् (द) केवलज्ञानम्

(xvi) अनुमानं कतिविधम् ? 1

- (अ) चतुर्विधम् (ब) पञ्चविधम्
(स) त्रिविधम् (द) द्विविधम्

(xvii) रागद्वेषरहितानां तत्त्वनिर्णयपर्यन्तं प्रवर्तमानं वाग्व्यापारोऽस्ति - 1

- (अ) विजिगीषुकथा (ब) वीतरागकथा
(स) आत्मकथा (द) वीकथा

(xviii) हेत्वाभासः कतिविधः ? 1

- (अ) चतुर्विधः (ब) पञ्चविधः
(स) त्रिविधः (द) द्विविधः

2. रिक्तस्थानानि पूरयत । 6x1 = 6

- (i) विरुद्धानेककोटिस्पर्शिज्ञानं----- । 1
(ii) ----- करणम् । 1
(iii) संशयो हि निर्णयविरोधी----- । 1
(iv) तत्तोल्लेखिज्ञानं----- । 1
(v) लिङ्गपरामर्शी----- । 1
(vi) तदनुमानं द्विविधं ----- । 1

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः । 12x1 = 12

- (i) बालाः कतिविधाः प्रोक्ताः ? 1
(ii) प्रमाणनयाभ्यां का विवेचिता? 1
(iii) प्रतिभातविषयाऽव्यभिचारित्वं किम् ? 1
(iv) 'नार्थालोकौ कारणं' कस्मिन् ग्रन्थे उक्तम् ? 1
(v) प्रत्यक्षं कतिविधम् ? 1
(vi) 'स्पष्टं साकारमञ्जसा' कस्य लक्षणम् ? 1
(vii) प्रागनुभूतवस्तुविषया का? 1

(viii) इदन्तोल्लेखिज्ञानं किम् ?	1
(ix) 'ऊह' इति कस्य व्यपदेशान्तरम् ?	1
(x) शक्यमभिप्रेतमप्रसिद्धं किम् ?	1
(xi) ज्ञातुरभिप्रायः कथ्यते ।	1
(xii) नयविनियोगपरिपाटी कथ्यते ।	1

खण्डः - 'ब'

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः ।

10x2 = 20

4. का परीक्षा ?	2
5. आत्मभूतलक्षणं किम् ?	2
6. कोऽभ्यस्तविषयः ?	2
7. सौगतीयप्रमाणलक्षणं किम् ?	2
8. प्रत्यक्षं किम् ?	2
9. का योग्यता ?	2
10. कः तर्कः ?	2
11. किमनुमानम् ?	2
12. साधनलक्षणं किम् ?	2
13. हेतोः लक्षणं किम् ?	2

खण्डः- 'स'

दीर्घोत्तरात्मकाः प्रश्नाः ।

14. कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरुत ।	3
(क) ग्रन्थकर्तुः संक्षिप्तपरिचयो लेखनीयः ।	
(ख) असाधारणधर्मवचनलक्षणं कथं न समीचीनम् ? इति विवेचनीयम् ।	
15. कस्यचिदेकस्य स्वरूपं विवेचनीयम् ।	3
(क) सकलं विकलं च पारमार्थिकप्रत्यक्षं किम् ?	
(ख) का सर्वज्ञसिद्धिः ?	
16. कस्यचिदेकस्य स्वरूपं वर्णनीयम् ।	3
(क) साध्य-साधनलक्षणयोः को भेदः?	
(ख) परार्थानुमानस्य स्वरूपं सोदाहरणं लिखत ।	
17. कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरुत ।	3
(क) स्वार्थानुमानस्य अङ्गानि विवेचनीयानि ।	
(ख) विजिगीषु-वीतरागकथयोः को भेदः?	

निबन्धात्मकाः प्रश्नाः ।

18. सौगतीयप्रत्यक्षलक्षणं विलिख्य आर्हतमतेन यत् स्वरूपं स्वीकृतं तत् प्रतिपाद्यताम् । 4

अथवा

प्रत्यक्षं कतिविधम्? भेदान् विवेचयत ।

19. परोक्षप्रमाणं कतिविधम्? भेदान् विवेचयत । 4

अथवा

बौद्धाभिमतं हेतोस्त्रैरूप्यं वर्णयित्वा जैनाभिमतानुसारं हेतुलक्षणं प्रस्तोतव्यम् ।

20. हेत्वाभासस्य भेदान् विलिख्य कस्याप्येकस्य सोदाहरणं स्वरूपं प्रतिपादनीयम् । 4

अथवा

सप्तभङ्गेर्विवेचनं क्रियताम् ।

प्रश्नपत्र - योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- शुक्लयजुर्वेदः - VU-45

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-56

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	17	30.35%
2	अवबोधः	16	28.57%
3.	ज्ञानोपयोगः	13	23.22%
4	कौशलम्	05	08.93%
5	विश्लेषणम्	05	08.93%
योगः		56	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1/2	9	14.28%	15निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	10/1	1/2	5	08.93%	15निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/1	1	10	14.28%	25निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	1 1/2	15	32.14%	60निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	3/3	3	9	16.09%	40निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	2/2	4	8	14.28%	40निमेषाः
योगः		53/18		56	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	शुक्लयजुर्वेदसंहिता	30	53.58%
2.	याज्ञवल्क्यशिक्षा	13	23.21%
3.	विवाहोपनयनपद्धतिः	13	23.21%
योगः		56	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्लू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - शुक्लयजुर्वेदः - VU-45

पूर्णांकाः -56 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	
1.	शुक्लयजुर्वेदसंहिता, 6अध्यायतः 9पर्यन्तम्	3(1)	1(1)	1 (1)	3 (2)		1 (-)	2 (-)	1 (-)	3(2)	4 (1)		1(-)	4½ (3)		2 (1)				1½ (1)	2 (-)	30(13)					
	याज्ञवल्क्यशिक्षा	1(-)			3(1)		1 (-)	1(-)					1(-)	1½ (1)		3 (1)				1½ (1)		13(4)					
	विवाहोपनयनपद्धतिः	1(-)	1(-)		3 (1)				3(-)		2 (-)		3(-)									13(1)					
	योगः	5(1)	2 (1)	1 (1)	3 (2)	6 (2)	2 (-)	3 (-)	4 (-)	3(2)	4 (1)	2 (-)	5(-)	6 (4)		3(1)	2(1)			5(2)							
सर्वयोगः		17(7)					16(3)					13 (4)					5(2)					5(2)					56(18)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-18

No. of printed Pages

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- शुक्लयजुर्वेदः - VU-45

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

समयः-3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरिनामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- शुक्लयजुर्वेदः -VU-45

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 56

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X½=9

(i) सप्तमाध्याये मन्त्राः सन्ति -

½

(अ) सप्तत्रिंशत्

(ब) अष्टचत्वारिंशत्

(स) नवदश

(द) अशीतिः

(ii) शुक्लयजुर्वेदीयशिक्षाग्रन्थोऽस्ति-

½

(अ) पाणिनीयः

(ब) नारदीयः

(स) याज्ञवल्क्यीयः

(द) शौनकीयः

(iii) माध्यन्दिनसंहितायामध्यायाः सन्ति -

½

(अ) शतम्

(ब) चत्वारिंशत्

(स) नवतिः

(द) एकपञ्चाशत्

(iv) उदात्तस्वरस्य जातिविशेषोऽस्ति -

½

(अ) ब्राह्मणः

(ब) वैश्यः

(स) क्षत्रियः

(द) अन्यः

(v) यजुर्वेदस्य द्वौ भेदौ स्तः -

½

(अ) कृष्णगोपथौ

(ब) शुक्लकृष्णौ

(स) काण्वमाध्यन्दिनौ

(द) यजुर्वेदसामवेदौ

(vi) गावो रम्भन्ति -

½

(अ) मध्यमम्

(ब) धैवतम्

(स) पञ्चमम्

(द) गान्धारम्

(vii) ईशावास्योपनिषद् केन सम्बद्धोऽस्ति-

½

(अ) सामवेदेन

(ब) ऋग्वेदेन

(स) अथर्ववेदेन

(द) यजुर्वेदेन

(viii) मधु-आज्य-दधिमिश्रितं द्रव्यं किमस्ति?	1/2
(अ) अर्घ्यम्	(ब) मधुपर्कम्
(स) पाद्यम्	(द) विष्टरम्
(ix) विवाहे अग्निः प्रयुज्यते -	1/2
(अ) मृडः	(ब) समुद्भवः
(स) योजकः	(द) वरदः
(x) यज्ञोपवीते ग्रन्थिदेवाः सन्ति -	1/2
(अ) अग्निवायुसूर्याः	(ब) ब्रह्माविष्णुमहेशाः
(स) वायुसूर्यवरुणाः	(द) ब्रह्मासूर्याग्नयः
(xi) यजुर्वेदस्य उपवेदोऽस्ति -	1/2
(अ) गान्धर्ववेदः	(ब) स्थापत्यः
(स) धनुर्वेदः	(द) आयुर्वेदः
(xii) 'हृदेत्वामनसेत्त्वा0' इति मन्त्रः कस्मिन् अध्याये अस्ति?	1/2
(अ) षष्ठाध्याये	(ब) सप्तमाध्याये
(स) अष्टमाध्याये	(द) नवमाध्याये
(xiii) माध्यन्दिनसंहितायां मन्त्रसंख्या अस्ति -	1/2
(अ) 1976	(ब) 1975
(स) 2080	(द) 1946
(xiv) शुक्लयजुर्वेदस्य कति शाखाः सन्ति ?	1/2
(अ) 16	(ब) 85
(स) 15	(द) 44
(xv) कति संख्याकाः हस्तदोषाः?	1/2
(अ) चतुर्दश	(ब) सप्त
(स) षट्	(द) द्वादश
(xvi) वैश्यानाम् उपनयनकालोऽस्ति -	1/2
(अ) एकादशे वर्षे	(ब) अष्टमे वर्षे
(स) चतुर्दशे वर्षे	(द) द्वादशे वर्षे
(xvii) कति संख्याकाः राष्ट्रभृद्धोममन्त्राः -	1/2
(अ) 16	(ब) 12
(स) 13	(द) 19

(xviii) कस्मिन् संस्कारे सप्तपदी भवति -

½

(अ) उपनयने

(ब) विवाहे

(स) नामकरणे

(द) समावर्त्तने

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

10x½ = 5

- (i) देवस्यत्वा.....पूष्णो हस्ताब्ध्याम् । ½
- (ii) अपाम्पेरुरस्यापोदेवी सद्देवहविः । ½
- (iii) यावांकशामधु..... यज्ञम्मिमिक्षतम् । ½
- (iv) कदाचनस्तरी..... दाशुषे । ½
- (v) मूर्ध्नानन्दिवो..... आज्ञातमग्निम् । ½
- (vi) विश्वेदेवास..... एदम्बर्हिर्निषीदत । ½
- (vii) उच्चौनिषाद..... मध्यमपञ्चमाः । ½
- (viii) प्रणवं प्राक् प्रयुञ्जीत..... वेदान् समारभेत् । ½
- (ix) वराय यज्ञोपवीतदानमन्त्रो लेखनीयः । ½
- (x) मधुपर्कग्रहणमन्त्रो लेखनीयः । ½

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x1 = 10

- (i) माध्यन्दिनसंहितायां कति अध्यायाः सन्ति? 1
- (ii) षष्ठाध्याये कति मन्त्राः सन्ति ? 1
- (iii) 'तदविष्णोः परममृ०' इति मन्त्रं पूरयत । 1
- (iv) याज्ञवल्क्यस्य पितुर्नाम किम् ? 1
- (v) ब्राह्मणस्योपनयनकालः कः ? 1
- (vi) उपनयने कतिसंख्याकाः तन्तुदेवाः ? 1
- (vii) दण्डधारणमन्त्रं लिखत । 1
- (viii) विष्टरदानमन्त्रो लेख्यः । 1
- (IX) वराय यज्ञोपवीतदानमन्त्रो लेखनीयः । 1
- (X) मधुपर्कग्रहणमन्त्रो लेखनीयः । 1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x1½ = 15

4. 'इदमापः0' इति मन्त्रः पूरणीयः । 1½
5. 'विष्णोः कर्माणि0' इति मन्त्रो लेखनीयः । 1½
6. 'व्वाचन्तेशुन्धामि0' इति मन्त्रः पूरणीयः । 1½
7. 'रेवतीरमध्वम्0' इति मन्त्रः पूरणीयः । 1½
8. 'सन्तेमनोमनसा0' इति मन्त्रो लेखनीयः । 1½
9. 'कार्षीरसि0' इति मन्त्रो लेखनीयः । 1½
10. 'सत्रस्यऽऋद्धिरस्य0' इति मन्त्रः पूरणीयः । 1½
11. 'ग्रहाऽऊर्जा0' इति मन्त्रो लेखनीयः । 1½
12. का वृत्तिः कदा प्रयोक्तव्या? 1½
13. कतिविधाः स्वरभक्तयः? 1½

खण्ड:-"स"

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

14. कीदृशाः पुरुषाः वर्णानां समुचितोच्चारणे असमर्थाः भवन्ति? 3
अथवा
वर्णोच्चारणविधिं निर्दिश्य पदोच्चारण विधिं प्रदर्शयत ।
15. कतिरंगाः प्रवर्तन्ते? के च ते? 3
अथवा
यमाः कतिविधाः भवन्ति? के च ते?
16. लाजाहोमविधिं प्रतिपादयत । 3
अथवा
सावित्री-उपदेशविधिं प्रतिपादयत ।

खण्ड:-"द"

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

17. निम्नलिखितेषु केचन चत्वारो मन्त्राः सस्वरं पूरणीयाः । 4
(i) अग्नेयीरसि0
(ii) विष्णोः कर्माणि0
(iii) अच्छिन्नस्यते0
(iv) मूर्ध्ना नन्दिवो0

(v)देवस्यत्वासवितुः०

(vi)इदमापः०

अथवा

षष्ठाध्यायस्य 15 तः 20 मन्त्राः लेखनीयाः ।

18. निम्नलिखितेषु केचन चत्वारो मन्त्राः सस्वरं पूरणीयाः ।

4

(i) यातेधामान्युश्मसि०

(ii) रक्षसाम्भागोसि०

(iii)व्वाचस्पतये०

(iv)अयं वेनच्चोदयत०

(v)उपयामगहीतोसि०

(vi)वाममद्य०

अथवा

शुक्लयजुर्वेदस्य परिचयम् उपस्थापयत ।

प्रश्नपत्र-योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- सामवेदः - VU-47

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-56

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	17	30.35%
2	अवबोधः	16	28.57%
3.	ज्ञानोपयोगः	13	23.22%
4	कौशलम्	05	08.93%
5	विश्लेषणम्	05	08.93%
योगः		56	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1/2	9	14.28%	15निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	10/1	1/2	5	08.93%	15निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/1	1	10	14.28%	25निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	1 1/2	15	32.14%	60निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	3/3	3	9	16.09%	40निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	2/2	4	8	14.28%	40निमेषाः
योगः		53/18		56	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	सामवेदसंहिता-पञ्चमोऽध्यायः	30	53.58%
2.	नारदीयशिक्षा	13	23.21%
3.	छन्दोगानां विवाहोपनयनपद्धतिः	13	23.21%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - सामवेदः - VU-47

पूर्णांकाः -56 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	
1.	सामवेदसंहिता-पञ्चमोऽध्यायः	3(1)	1 ⁽¹⁾	1 ³ (2)			1	2	1	3(2)		4		1(-)	4 ¹ / ₂ (3)					2				1 ¹ / ₂ (1)	2	30(13)	
	नारदीयशिक्षा	1(-)			3(1)		1	1(-)					1(-)	1 ¹ / ₂ (1)					3				1 ¹ / ₂ (1)			13(4)	
	छन्दोगानां विवाहोपनयनपद्धतिः	1(-)	1(-)		3				3(-)			2	3(-)													13(1)	
	योगः	5(1)	2	1 ³ (2)	6		2	3	4	3(2)		4	2	5(-)	6				3(1)	2(1)				5(2)			
सर्वयोगः		17(7)					16(3)					13 (4)					5(2)					5(2)					56(18)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-18

No. of printed Pages

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- सामवेदः - VU - 47

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा - 2025

समयः - 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमंस्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः-सामवेदः -VU-47

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 56

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X½=9

(i) गानपद्धत्या मन्त्राणामुच्चारणं विधीयते -

½

(अ) यजुर्वेदे

(ब) सामवेदे

(स) अथर्ववेदे

(द) ऋग्वेदे

(ii) पूर्वार्चिके अध्यायाः सन्ति-

½

(अ) षट्

(ब) नव

(स) दश

(द) पञ्च

(iii) सामवेदस्य शाखा अस्ति -

½

(अ) कौथुमी

(ब) माध्यन्दिनी

(स) शौनकी

(द) वाजसनेयी

(iv) उद्गाता भवति -

½

(अ) अथर्ववेदस्य

(ब) यजुर्वेदस्य

(स) सामवेदस्य

(द) ऋग्वेदस्य

(v)सोमविषयकमन्त्राः संकलिताः सन्ति -

½

(अ) आग्नेयपर्वणि

(ब) ऐन्द्रपर्वणि

(स) विष्णुपर्वणि

(द) पवमानपर्वणि

(vi) जैमिनीशाखा प्रसिद्धास्ति -

½

(अ) मिथिलायाम्

(ब) कर्णाटके

(स) राजस्थाने

(द) महाराष्ट्रे

(vii) सामवेदस्योपवेदोऽस्ति-

½

(अ) धनुर्वेदः

(ब) आयुर्वेदः

(स) अर्थशास्त्रम्

(द) गन्धर्वेदः

(viii) सामवेदे स्वरगणना क्रियते-	1/2
(अ) दक्षिणहस्तेन	(ब) वामहस्तेन
(स) मुखेन	(द) अङ्गुलीपर्वणा
(ix) वर्णस्वराद्युच्चारणप्रकारो यत्रोपदिश्यते सा -	1/2
(अ) विद्या	(ब) शिक्षा
(स) दीक्षा	(द) परीक्षा
(x) भूलोकाद् जायते -	1/2
(अ) षडजः	(ब) मध्यमः
(स) गान्धारः	(द) धैवतः
(xi) उच्चैरुच्चारितं व्यक्तपदाक्षरमुच्यते -	1/2
(अ) विकृष्टम्	(ब) श्लक्ष्णम्
(स) व्यक्तम्	(द) प्रसन्नम्
(xii) गान्धारः प्रीणाति-	1/2
(अ) देवान्	(ब) ऋषीन्
(स) गन्धर्वान्	(द) यक्षान्
(xiii) गर्भादष्टमे वर्षे उपनीयेत -	1/2
(अ) ब्राह्मणम्	(ब) वैश्यम्
(स) क्षत्रियम्	(द) शूद्रम्
(xiv) वेदाध्ययनात् पूर्वमावश्यकमस्ति-	1/2
(अ) समावर्तनसंस्कारः	(ब) विवाहसंस्कारः
(स) उपनयनसंस्कारः	(द) जातकर्मसंस्कारः
(xv) यज्ञोपवीते ग्रन्थयः सन्ति -	1/2
(अ) पञ्च	(ब) तिस्रः
(स) द्वे	(द) नव
(xvi) विष्टरोपविशति -	1/2
(अ) कन्या	(ब) दाता
(स) वरः	(द) विप्रः
(xvii) लाजाहोमः विधीयते -	1/2
(अ) समावर्तने	(ब) जातकर्मणि
(स) उपनयने	(द) विवाहे

(xviii) दधिमधुसर्पिभिर्निर्मयते -

$\frac{1}{2}$

(अ) मधुपर्कः

(ब) विष्टरः

(स) अर्घः

(द) सांगुष्ठम्

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

$10 \times \frac{1}{2} = 5$

- | | |
|--|---------------|
| (i) पवस्वेन्द्रो.....सुतः । | $\frac{1}{2}$ |
| (ii) पवित्रं ते ब्रह्मणस्पते । | $\frac{1}{2}$ |
| (iii) सुतासो..... मन्दिनः । | $\frac{1}{2}$ |
| (iv) प्रसेनानी:..... अस्य सेना । | $\frac{1}{2}$ |
| (v) सहस्रदा:..... भूरिदावा । | $\frac{1}{2}$ |
| (vi) समुद्रस्याधि..... मदच्युतः । | $\frac{1}{2}$ |
| (vii) गानस्य-----गुणवृत्तिः । | $\frac{1}{2}$ |
| (viii) धैवतस्य-----मध्यमग्राम उच्यते । | $\frac{1}{2}$ |
| (ix) यज्ञोपवीतं पवित्रम् । | $\frac{1}{2}$ |
| (x) अर्यमणं अयक्षत । | $\frac{1}{2}$ |

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

$10 \times 1 = 10$

- | | |
|---|---|
| (i) वेदशब्दस्य व्युत्पत्तिं लिखत । | 1 |
| (ii) साम्प्रतं सामवेदस्य कति शाखाः समुपलभ्यन्ते ? | 1 |
| (iii) उत्तरार्चिके कति प्रपाठकाः सन्ति ? | 1 |
| (iv) सुकुमारं किमुच्यते ? | 1 |
| (v) उपनयनकालः कः ? | 1 |
| (vi) यज्ञोपवीतग्रन्थिदेवानां नामानि लिखत । | 1 |
| (vii) पलाशदण्डः कस्मै विधीयते ? | 1 |
| (viii) वरस्य विष्टरोपवेशनमन्त्रं लिखत । | 1 |
| (IX) अश्मारोहणमन्त्रं लिखत । | 1 |
| (X) मधुपर्कग्रहणमन्त्रो लेखनीयः । | 1 |

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x1½ = 15

4. 'वृषापवस्व0'इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
5. 'प्रसोमदेववीतये0'.... इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
6. 'तिस्त्रोवाचईरयति0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
7. 'महत्तत्सोमो0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
8. 'सीमाः पवन्तः0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
9. 'अभिप्रियाणि0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
10. 'असावि सोमो0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
11. 'एषस्य धारया 0' इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत । 1½
12. स्वरमण्डं प्रदर्शयत । 1½
13. सप्तस्वराः कान् देवान् प्रीणन्ति ? 1½

खण्ड:-"स"

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

14. ऋष्टादीनां स्वराणां कानि स्थानानि? स्पष्टयत । 3
अथवा
शिक्षाशास्त्रस्य किं प्रयोजनम्? वर्णयत ।
15. गीतिदोषान् वर्णयत । 3
अथवा
सामवेदाध्ययने अङ्गुलीषु स्वरनिर्देशविधिं स्पष्टयत ।
16. सावित्र्युपदेशप्रकारं प्रतिपादयत । 3
अथवा
लाजाहोमस्य समन्त्रं विधिं वर्णयत ।

खण्ड:-"द"

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

17. निम्नलिखितेषु केचन चत्वारो मन्त्राः सस्वरं पूरणीयाः । 4
 - (i) असृक्षतप्रवाजिनो 0
 - (ii) त्रिरस्मैसप्त0
 - (iii)तिस्त्रोवाच0
 - (iv)प्रसोमदेववीतये0

(v)सुतासोमधुमत्तमा०

(vi)प्रपुनानाय०

अथवा

सामगानप्रकारं निरूपयत ।

18. पवमानकाण्डान्तर्गत-तृतीयखण्डस्य यथेच्छं पञ्चमन्त्राः सस्वरं लेखनीयाः ।

4

अथवा

सामवेदस्य परिचयम् उपस्थापयत ।

BSEER

प्रश्नपत्र-योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- न्यायदर्शनम् - VU- 49

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	23	28.75%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.20%
4	कौशलम्	09	11.25%
5	विश्लेषणम्	08	10.00%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	25 निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	15 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	35 निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	35 निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	35 निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50 निमेषाः
योगः		53/20		80	100	195 निमेषाः

3. विषयवस्तुनाम् अंकभारः-

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	तर्कभाषा (प्रथमखण्डः)	40	
	प्रमाणम्, कारणम्, करणम्, सन्निकर्षः	12	15.00%
	अनुमानम्, उपाधिः, हेत्वाभासः	12	15.00%
	उपमानम्, शब्दः, अर्थापत्तिः, अभावः	10	12.50%
	प्रामाण्यवादः, स्वतःप्रामाण्यम्, परतः प्रामाण्यम्	06	7.50%
2.	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रथमखण्डः)	40	
	पदार्थविभागः	10	12.50%
	पदार्थानां साधर्म्य-वैधर्म्यनिरूपणम्, द्रव्यनिरूपणम्	12	15.00%
	कारणस्वरूपनिरूपणम्, अन्यथासिद्धिः, आत्मनिरूपणम्	10	12.50%
	प्रत्यक्षज्ञानभेदः, लौकिकालौकिकसन्निकर्षविभागः	08	10.00%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - न्यायदर्शनम् -VU - 49

पूर्णांकाः - 80 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः
		बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	
1.	प्रमाणम्, कारणम्, करणम्, सन्निकर्षः	5 (1)	2 (1)	1 (1)	4 (2)																											12(5)
	अनुमानम्, उपाधिः, हेत्वाभासः			2(-)	6(3)		4(-)																									12(3)
	उपमानम्, शब्दः, अर्थापत्तिः, अभावः							1(-)					2(-)		1(-)									6(2)								10(2)
	प्रामाण्यवादः, स्वतःप्रामाण्यम्, परतः प्रामाण्यम्										3(1)								3(1)													6(2)
2.	पदार्थविभागः						2(-)		3(-)				3(-)	2(-)																		10(-)
	पदार्थानां साधर्म्य-वैधर्म्यनिरूपणम्, द्रव्यनिरूपणम्			3(-)				1(-)					2(-)				6(3)															12(3)
	कारणस्वरूपनिरूपणम्, अन्यथासिद्ध, आत्मनिरूपणम्							2(-)		4(2)																				4(1)		10(3)
	प्रत्यक्षज्ञानभेदः, लौकिकालौकिक सन्निकर्षविभागः											4(1)																		4(1)		8(2)
	योगः	5 (1)	2(1)	6(1)	10 (5)		6(-)	2(-)	5(-)	4(2)	3(1)	4(1)	7(-)	2(-)	1(-)	6(3)								9(3)						8(2)		
सर्वयोगः		23(8)						24(4)						16(3)						9(3)						8(2)						80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-20

No. of printed Pages-

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- न्यायदर्शनम् - VU - 49

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा - 2025

समयः-3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरिनामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम् -2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- न्यायदर्शनम् - VU - 49

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 80

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) चत्वारि प्रमाणानि के स्वीकुर्वन्ति ?

1

(अ) मीमांसकाः

(ब) नैयायिकाः

(स) बौद्धाः

(द) चार्वाकः

(ii) लक्षणे कति दोषाः सम्भाव्यन्ते?

1

(अ) एकः

(ब) द्वौ

(स) त्रयः

(द) चत्वारः

(iii) कस्य कृते तर्कभाषा विरचिता?

1

(अ) पण्डितस्य

(ब) बालस्य

(स) मेधाविनः

(द) विपश्चितः

(iv) तर्कभाषायाः लेखकः कः?

1

(अ) गौतमः

(ब) वात्स्यायनः

(स) वाचस्पतिः

(द) केशवमिश्रः

(v) शास्त्रप्रवृत्तिः कतिविधा?

1

(अ) त्रिविधा

(ब) चतुर्विधा

(स) पञ्चविधा

(द) बहुविधा

(vi) तर्कभाषानुसारेण करणं किम्?

1

(अ) साध्यतमम्

(ब) साधकतमम्

(स) अन्यथासिद्धम्

(द) अयुतसिद्धम्

(vii) व्याप्तिबलेनार्थगमकं किमुच्यते?

1

(अ) परामर्शः

(ब) पक्षः

(स) लिङ्गम्

(द) साध्यम्

(viii) अनुमितिज्ञानस्य करणं किम्?	1
(अ) अनुमानम्	(ब) लिङ्गपरामर्शः
(स) उपमानम्	(द) शब्दः
(ix) हेत्वाभासाः कति?	1
(अ) त्रयः	(ब) चत्वारः
(स) पञ्च	(द) षट्
(x) सव्यभिचारम् इत्यस्य अपरं नाम किम्?	1
(अ) ऐकान्तिकः	(ब) अनैकान्तिकः
(स) व्यभिचारमुक्तः	(द) साहचर्यवान्
(xi) किं नाम प्रमा?	1
(अ) शब्दः	(ब) यथार्थानुभवः
(स) असहेतुः	(द) भ्रमः
(xii) व्याप्तेः किं लक्षणम्?	1
(अ) साहचर्याभावः	(ब) विपक्षसत्त्वम्
(स) साहचर्यनियमः	(द) न कोऽपि
(xiii) प्रत्यक्षज्ञानं कतिविधं भवति?	1
(अ) दशविधम्	(ब) चतुर्विधम्
(स) द्विविधम्	(द) पञ्चविधम्
(xiv) रूपरहितं स्पर्शवत् द्रव्यं किमस्ति ?	1
(अ) तेजस्	(ब) वायुः
(स) पृथ्वी	(द) आकाशः
(xv) अभावः कतिविधः?	1
(अ) द्विविधः	(ब) षड्विधः
(स) चतुर्विधः	(द) अष्टविधः
(xvi) पार्थिवो विषयः कः?	1
(अ) गन्धः	(ब) मृत्पाषाणादिः
(स) रसः	(द) स्पर्शः
(xvii) समवायाः कति?	1
(अ) द्वौ	(ब) त्रीणि
(स) अष्टौ	(द) एक एव

(xviii) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं किम्?

1

(अ) प्रत्यक्षम्

(ब) उपमितिः

(स) प्रत्यभिज्ञा

(द) भ्रमः

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

- (i) तन्तुसंयोगः.....असमवायिकरणम् । 1
- (ii) साधकतमं । 1
- (iii) संस्कारजन्यं ज्ञानं..... । 1
- (iv) संयोगश्च विभागश्च..... चाऽपरत्वकम् । 1
- (v) समवायिकारणत्वं विज्ञेयम् । 1
- (vi).....भूतवर्गश्च विशेषगुणयोगिनः । 1

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

- (i) कतिविधं कारणम् ? 1
- (ii) किं प्रमाणम् ? 1
- (iii) लिङ्गस्य तृतीयज्ञानं कथ्यते ? 1
- (iv) केषां मते शब्दप्रमाणं नास्ति ? 1
- (v) दिक् कतिविधा ? 1
- (vi) नित्यं तेजः किं रूपम् ? 1
- (vii) जलीयम् इन्द्रियं किमस्ति ? 1
- (viii) कियन्तो विशेषाः मन्यन्ते वैशेषिकैः ? 1
- (IX) गन्धवती का ? 1
- (X) शीतस्पर्शवान् इति कस्य लक्षणम् ? 1
- (XI) शब्दः कस्य गुणः ? 1
- (XII) गन्धः कतिविधः ? 1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

4. मोक्षस्य साधनं किम् ? 2
5. कति प्रमाणानि भवन्ति ? 2

6. लक्षणस्य किं लक्षणम् ?	2
7. सव्यभिचारस्य कति भेदाः ? के च ते?	2
8. उपाधेः किं लक्षणम् ?	2
9. निमित्तकारणस्य किमुदाहरणम् ?	2
10. समवायिकारणस्य किं लक्षणम् ?	2
11. स्पर्शः कतिविधः? के च ते ?	2
12. तेजसि कीदृशः स्पर्शो भवति?	2
13. अनित्यस्य वायोः कति भेदाः? के च ते?	2

खण्डः-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

14. कस्यचिदेकस्य स्वरूपं विवेचनीयम् । (क) परतः प्रामाण्यम् । (ख) स्वतः प्रामाण्यम् ।	3
15. कस्यचिदेकस्य स्वरूपं निरूपणीयम् । (क) उपमानप्रमाणम् । (ख) अनुमानप्रमाणम् ।	3
16. न्यायाभिमतं प्रामाण्यवादस्य स्वरूपं विवेचयत । अथवा शब्दप्रमाणस्य किं स्वरूपम् ? स्पष्टयत ।	3
17. अभावप्रमाणस्य पृथक्प्रमाणत्वमाशङ्क्य निराकुरुत । अथवा तर्कभाषानुसारेणार्थापत्तेः पृथक्प्रमाणत्वमाशङ्क्य निराकुरुत ।	3

खण्डः-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

18. कारणस्य किं लक्षणम् ? सविस्तरं विवेचयत । अथवा न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीदिशा न्यायशास्त्रसम्मतम् आत्मतत्त्वं विविच्यताम् ।	4
19. किं नाम निर्विकल्पकं ज्ञानम्? सविस्तरं लिखत । अथवा सामान्यलक्षणसन्निकर्षस्य स्वरूपं प्रतिपाद्यताम् ।	4

20. किं नामान्यथासिद्धम् ? कतिविधं च तत् ? लक्षणोदाहरणपूर्वकं विशदीक्रियताम् ।

4

अथवा

न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीदिशा सप्तपदार्थानां परस्परसाधर्म्यं निरूपयत ।

BSEER

प्रश्नपत्र-योजना - 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- निम्बार्कदर्शनम् - VU- 53

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांक:-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	17	21.25%
4	कौशलम्	08	10.00%
5	विश्लेषणम्	07	08.75%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	25 निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	15 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	35 निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	35 निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	35 निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50 निमेषाः
योगः		53/20		80	100	195 निमेषाः

3. विषयवस्तुनाम् अंकभारः-

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	वेदान्तदशश्लोकी	40	
	जीवस्वरूपम्	04	5.00%
	मायास्वरूपम्	04	5.00%
	चेतनस्वरूपम्	04	5.00%
	अचेतनतत्त्वम्	04	5.00%
	ब्रह्मस्वरूपम्	04	5.00%
	प्रकृतिः	04	5.00%
	सर्वविज्ञानस्य यथार्थता	04	5.00%
	सत्तानिरूपणम्	04	5.00%
	भक्तिरसस्य पञ्चभेदाः	04	5.00%
	जीवस्य कार्पण्यम्	04	5.00%
2.	द्वैताद्वैतविवेकः	40	
	सप्रसंगव्याख्यापरकप्रश्नाः	20	25.00%
	प्रसंगसहिताः टिप्पण्यः	10	12.50%
	पाठ्यांशतः सामान्यप्रश्नाः	10	12.50%
योगः		80	100

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	
1.	वेदान्तदशश्लोकी जीवस्वरूपम्	1 (1)	1 (1)								2 (1)																					4(3)
	मायास्वरूपम्	1(-)			2(1)					1(1)																						4(2)
	चेतनस्वरूपम्		1(-)					2(-)		1(-)																						4(-)
	अचेतनतत्त्वम्			1 (-)				1(-)									2(1)															4(1)
	ब्रह्मस्वरूपम्			1 (-)				1(-)									2(1)															4(1)
	प्रकृतिः									1(-)								3(1)														4(1)
	सर्वविज्ञानस्य यथार्थता	1(-)						1(-)									2(1)															4(1)
	सत्तानिरूपणम्							1(-)																					3(1)			4(1)
	भक्तिसस्य पञ्चभेदाः	1(-)		1(-)													2(1)															4(1)
	जीवस्य कार्पण्यम्																								4(1)							4(1)
2.	द्वैताद्वैतविवेकः																															
	सप्रसंगव्याख्यापरकप्रश्नाः	3(-)	1(-)	2(-)	2(1)			3(-)		3(-)	2(1)														4(1)							20(3)
	प्रसंगसहिताः टिप्पण्यः	1(-)		1(-)				1(-)	1(-)		2(1)																			4(1)		10(2)
	पाठ्यांशतः सामान्यप्रश्नाः	1(-)			2(1)			1(-)										6(2)														10(3)
	योगः	9 (1)	3(1)	6(-)	6 (3)			9(-)	3(-)	6(1)	6(3)						8(4)	9(3)							8(2)					3(1)	4(1)	80(20)
सर्वयोगः		24(5)						24(4)						17(7)						8(2)						7(2)						80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-20

No. of printed Pages-

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- निम्बार्कदर्शनम् - VU - 53

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा - 2025

समयः- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम् -2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- निम्बार्कदर्शनम् - VU - 53

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 80

खण्डः- "अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) ज्ञानस्वरूपमित्यनेन कस्य जडत्वव्यावृत्तिः क्रियते ?

1

(अ) ईश्वरस्य

(ब) जीवस्य

(स) प्रकृतेः

(द) ब्रह्मणः

(ii) भगवत्कृपया का निवर्तते?

1

(अ) माया

(ब) भक्तिः

(स) श्रद्धा

(द) तितिक्षा

(iii) बद्धजीवाः कतिविधाः?

1

(अ) पञ्चविधाः

(ब) चतुर्विधाः

(स) द्विविधाः

(द) त्रिविधाः

(iv) अर्थेभ्यः परं किम्?

1

(अ) भवनम्

(ब) मनः

(स) इन्द्रियम्

(द) दिवम्

(v) अचेतनं कतिविधं मतम् ?

1

(अ) त्रिविधम्

(ब) चतुर्विधम्

(स) पञ्चविधम्

(द) द्विविधम्

(vi) कमलेक्षणं कस्य विशेषणम्?

1

(अ) नारदस्य

(ब) ईश्वरस्य

(स) जीवस्य

(द) हरेः

(vii) युगलस्वरूपस्य उपासना सनन्दनाद्यैर्मुनिभिः कस्मै उपदिष्टा ?

1

(अ) श्रीगणेशाय

(ब) श्रीनारदाय

(स) श्रीकुवेराय

(द) श्रीप्रह्लादाय

(viii) पञ्चभक्तिरसे न गण्यते -

1

(अ) शान्तम्

(ब) दास्यम्

(स) हास्यम्	(द) वात्सल्यम्	
(ix) द्वैताद्वैतविवेककारः कुत्र निवसति स्म?		1
(अ) मिथिलायाम्	(ब) मथुरायाम्	
(स) अयोध्यायाम्	(द) अवन्तिकायाम्	
(x) द्वैताद्वैतसिद्धान्तस्य प्रवर्तकः कः?		1
(अ) श्रीभगवन्निम्बार्काचार्यः	(ब) श्रीरामानुजाचार्यः	
(स) श्रीवल्लभाचार्यः	(द) श्रीमध्वाचार्यः	
(xi) विशिष्टाद्वैतसिद्धान्तस्य प्रवर्तकः कः?		1
(अ) श्रीभगवन्निम्बार्काचार्यः	(ब) श्रीरामानुजाचार्यः	
(स) श्रीवल्लभाचार्यः	(द) श्रीमध्वाचार्यः	
(xii) निम्बार्कदर्शने तत्त्वं कतिविधं साधितम्?		1
(अ) चतुर्विधम्	(ब) द्विविधम्	
(स) त्रिविधम्	(द) पञ्चविधम्	
(xiii) अतिथिसत्काराय रात्रौ अपि सूर्यप्रकाशः केन दर्शितः?		1
(अ) श्रीनिम्बार्काचार्येण	(ब) श्रीपरशुरामदेवाचार्येण	
(स) श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्येण	(द) श्रीहरिव्यासदेवाचार्येण	
(xiv) श्रीनिम्बार्काचार्यस्य मातुः नाम किम् ?		1
(अ) लक्ष्मीः	(ब) जयन्ती	
(स) शारदा	(द) वेदश्रीः	
(xv) द्वैताद्वैतविवेकग्रन्थस्य प्रणेता कः?		1
(अ) पं. भगीरथशर्मा	(ब) पं. वासुदेवशरण उपाध्यायः	
(स) श्रीनिम्बार्काचार्यः	(द) श्रीहरिव्यासदेवाचार्यः	
(xvi) निम्बार्कसंप्रदाये प्रमुखोपासना कस्य देवस्य अस्ति?		1
(अ) श्रीगणेशस्य	(ब) श्रीशिवस्य	
(स) श्रीराधामाधवस्य	(द) श्रीरामचन्द्रस्य	
(xvii) श्रीपरशुरामदेवाचार्यस्य तपःस्थली वर्तते -		1
(अ) श्रीनिम्बार्कपीठे	(ब) जयपुरे	
(स) उदयपुरे	(द) वृन्दावने	
(xviii) द्वैताद्वैतविवेकग्रन्थः कतिषु अंशेषु विभक्तः?		1
(अ) पञ्चसु	(ब) त्रिषु	

(स) सप्तसु

(द) नवसु

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

- (i) ज्ञानस्वरूपं चशरीरसंयोगवियोगयोग्यम् । 1
- (ii) अप्राकृतं प्राकृतरूपकं चतदचेतनं मतम् । 1
- (iii) न तद्.....सूर्यो न शशाङ्को न पावकः । 1
- (iv) अङ्गे तु वामे वृषभानुजां मुदा..... सौभगाम् । 1
- (v) चिदचिच्छक्तिमद्-ब्रह्म स्वभावतः । 1
- (vi) तथापि श्रीहरेःपादौमे भविष्यति । 1

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

- (i) वेदान्तदशश्लोकीग्रन्थस्य प्रणेता कः ? 1
- (ii) अप्राकृतं किम् ? 1
- (iii) मुक्ताः कतिविधाः ? 1
- (iv) कति कोशाः ? 1
- (v) श्रीराधाष्टकस्तोत्रग्रन्थस्य प्रणेता कः ? 1
- (vi) दशश्लोकीग्रन्थानुसारं पदार्थाः कति ? 1
- (vii) 'विसृज्य' इति पदे प्रकृतिप्रत्ययौ लिखत । 1
- (viii) कुण्डलावस्था कस्य जीवे भवति ? 1
- (IX) पञ्चसूनाः लिखत? 1
- (X) श्रीनिम्बार्काचार्यः कस्यावतारः ? 1
- (XI) शुद्धाद्वैतसिद्धान्तस्य प्रवर्तकः कः ? 1
- (XII) द्वैतं किम् ? 1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

4. जीवस्योपरि सुदृढमायाया आवरणं कथं भवति ? 2
5. ईश्वरजीवयोः कः भेदः ? 2
6. 'दैवीमाया दुरत्यया' जीवात्मा एनां कथं तर्तुं शक्नोति ? 2
7. मुक्तात्मा जीवः दिव्यधाम्नि गते किं करोति? 2
8. अनादिमाया-----पद्ममिदं पूरयत ? 2

9. अचेतनतत्त्वं लिखत । 2
10. अहिकुण्डलवदिति दृष्टान्तस्य प्रसंगं लिखत । 2
11. कालतत्त्वं द्वैताद्वैतविवेकानुसारं लिखत । 2
12. निम्बार्कदर्शने शरणगतिस्वरूपं वर्णयत । 2
13. स्वाभाविकद्वैताद्वैतसिद्धान्तं मनसि निधाय राधाकृष्णौ कथं स्तौति ग्रन्थकारः? 2

खण्ड:-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

14. एकां श्रीकृष्णस्य गोचारणलीलां लिखत । 3

अथवा

वेदान्तदशश्लोकीति ग्रन्थानुसारं सत्तानिरूपणं लिखत ।

15. वेदान्तदशश्लोकीति ग्रन्थानुसारं प्रकृतिस्वरूपं स्पष्टयत । 3

अथवा

वेदान्तदशश्लोकीति ग्रन्थस्य वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये किं प्रयोजनम्?

16. आद्यनिम्बार्कचार्यस्य जीवनवृत्तं रचनापरिचयं च लिखत । 3

अथवा

उपासना का ? तस्याः स्वरूपं वर्णयत ।

17. द्वैताद्वैतविवेकमनुसृत्य ब्रह्मणः सविशेषत्वं च साधयत । 3

अथवा

द्वैताद्वैतविवेकग्रन्थस्य रचयितुः परिचयः प्रस्तूयताम् ।

खण्ड:-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

18. कस्यचिदेकस्य पाठ्यग्रन्थानुसारं व्याख्या कार्या - 4

(क) जीवस्य कार्पण्यम् । (ख) सर्वविज्ञानस्य यथार्थता ।

19. अर्थपञ्चकस्य स्वरूपं यथाशास्त्रं विवेचयत । 4

अथवा

शास्त्रप्रमाणैः परमात्मतत्त्वं निरूपयत ।

20. राधाकृष्णयोरभिन्नत्वं वर्णयत । 4

अथवा

वैराग्यं कतिविधम्? किञ्च तत्स्वरूपमिति सोदाहरणं प्रतिपादयत ।

प्रश्नपत्र-योजना - 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- सामान्यदर्शनम् - VU- 55

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	25	31.25%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.00%
4	कौशलम्	08	10.00%
5	विश्लेषणम्	07	08.75%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलांकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	25 निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	15 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	35 निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	35 निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	35 निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50 निमेषाः
योगः		53/20		80	100	निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः-

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्-अंकाः
1.	पातञ्जलयोगदर्शनम् (भोजवृत्तिः) समाधिः साधनपादश्च	45	
क	योगस्यावश्यकता, तल्लक्षणम्, पक्ष-अभ्यास-वैराग्य-सूत्राणां व्याख्याप्रश्नाश्च	15	18.75%
ख	ईश्वरप्रणिधानं तत्फलञ्च चित्तविक्षेपनाशोपायमनोनिग्रहसमाधिलक्षणानि	15	18.75%
ग	क्रियायोग-अविद्यादि-पञ्चक्लेश-प्रश्नाः	05	6.25%
घ	अष्टांगयोग-प्रश्नाः	05	6.25%
ङ	भोजवृत्तटीका-प्रश्नाः	05	6.25%
2.	विवेकचूडामणिः	35	
क	श्लोकानां व्याख्या-प्रश्नाः	15	18.75%
ख	पाठ्यग्रन्थ-प्रश्नाः	10	12.50%
ग	पाठ्यग्रन्थ-पारिभाषिकटिप्पणी-प्रश्नाः	10	12.50%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - सामान्यदर्शनम् -VU - 55

पूर्णांकाः - 80 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः							
1.	पातञ्जलयोग- योगस्यावश्यकता तल्लक्षणम्,				2(1)				2 (1)	2 (1)							2 (1)	3(1))								4 (1)	15(6)					
	ईश्वरप्रणिधानं तत्कलञ्च चित्तविक्षेपनाशोपायमनोनिग्रहसमाधि लक्षणानि	3(1)	1 (1)				3(-)	2(-)	1(-)								2(1)								3(1)	15(4)						
	क्रियायोग-अविद्यादि-पञ्चकेलश- प्रश्नाः	2(-)	1(-)				1(-)	1(-)																		5(-)						
	अष्टांगयोग-प्रश्नाः	2(-)		1 (-)			1 (-)	1(-) (-)																		5(-)						
	भोजवृत्तटीका-प्रश्नाः			1 (-)					1(-)								3(1)									5(1)						
2.	विवेकचूडामणिः - श्लोकानां व्याख्या-प्रश्नाः				2(1)				1(-)	4 (2)										8(2)						15(5)						
	पाठ्यग्रन्थ-प्रश्नाः	3(-)		2 (-)					1(-)								4(2)									10(2)						
	पाठ्यग्रन्थ-पारिभाषिकटिप्पणी- प्रश्नाः	3(-)		1 (-)					1(-)		3 (1)						2(1)									10(2)						
	योगः	13 (1)	2(1)	5(-)	4 (2)		5(-)	4(-)	7(1)	6(3)	3 (1)					10 (5)	6(2)									80(20)						
सर्वयोगः		24(4)						25(5)						16(7)						8(2)						7(2)						80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-20

No. of printed Pages-

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- सामान्यदर्शनम् - VU - 55

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा - 2025

समयः-3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम् -2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः-सामान्यदर्शनम् - VU - 55

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 80

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) ईश्वरस्य प्रणिधानात् को लाभः ?

1

(अ) उपाधिः

(ब) सन्धिः

(स) समाधिः

(द) विधिः

(ii) चित्तविक्षेपास्ते अन्तरायाः कति?

1

(अ) अष्ट

(ब) दश

(स) नव

(द) एकादश

(iii) अविद्यादयः के?

1

(अ) पञ्चयमाः

(ब) अष्टाङ्गानि

(स) पञ्चक्लेशाः

(द) पञ्चभूतानि

(iv) स च पुरुषविशेषः कः?

1

(अ) आनन्दः

(ब) प्रधानः

(स) ईश्वरः

(द) भोक्ता

(v) 'निरतिशयं सर्वज्ञबीजम्' कस्मिन् विद्यते ?

1

(अ) मानवे

(ब) ईश्वरे

(स) मन्दिरे

(द) लोके

(vi) अकर्मण्यता चित्तस्य किम्?

1

(अ) व्याधिः

(ब) संशयः

(स) प्रमादः

(द) स्त्यानम्

(vii) क्रियायोगे नास्ति ?

1

(अ) सांसारिकवासना

(ब) स्वाध्यायः

(स) तपश्चर्या

(द) ईश्वरप्रणिधानम्

(viii) दृग्दर्शनशक्तयोरेकात्मता का?	1
(अ) वासना	(ब) विद्या
(स) अविद्या	(द) अस्मिता
(ix) प्रान्तभूमौ प्रज्ञा कतिधा?	1
(अ) अष्टधा	(ब) पञ्चधा
(स) सप्तधा	(द) नवधा
(x) दुःखानुशयी -	1
(अ) रागः	(ब) द्वेषः
(स) क्लेशः	(द) हर्षः
(xi) कति यमाः?	1
(अ) चत्वारः	(ब) पञ्च
(स) षट्	(द) सप्त
(xii) 'महाव्रतम्' केषां संज्ञा?	1
(अ) नियमानाम्	(ब) यमानाम्
(स) क्लेशानाम्	(द) अविद्यानाम्
(xiii) आदिशङ्कराचार्येण प्रणीतः ग्रन्थोऽस्ति-	1
(अ) विवेकचूडामणिः	(ब) योगदर्शनम्
(स) रामायणम्	(द) महाभारतम्
(xiv) तमोमयी कः ?	1
(अ) राहुः	(ब) शनिः
(स) केतुः	(द) यमः
(xv) कोशैः अन्नमयाद्यैः पञ्चभिः कः न संवृतः भाति?	1
(अ) आत्मा	(ब) नरः
(स) देवः	(द) वृक्षः
(xvi) परमात्मनः तत्त्वं विज्ञाय नरः बन्धान्मुक्तः किमश्नुते?	1
(अ) दुःखम्	(ब) सुखम्
(स) भोजनम्	(द) कैवल्यम्
(xvii) दैवानुग्रहहेतुकेषु दुर्लभत्रयेषु इदं नास्ति ?	1
(अ) मनुष्यत्वम्	(ब) मुमुक्षुत्वम्
(स) ऐश्वर्यम्	(द) महापुरुषसंश्रयः

(xviii) ब्रह्मात्मैकत्वबोधेन सिद्धयति?

1

(अ) कामः

(ब) क्रोधः

(स) मोक्षः

(द) ज्ञानम्

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

(i)स योगश्चितवृत्तिनिरोध इति ।

1

(ii)संयोगो हेयहेतुः ।

1

(iii)हि प्रख्याप्रवृत्तिस्थितिशीलत्वात् त्रिगुणम् ।

1

(iv) ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां ।

1

(v) तस्य प्रज्ञा ।

1

(vi)यमाः ।

1

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

(i) योगसूत्रे प्रथमपादस्य नाम किम् ?

1

(ii) पातञ्जलयोगसूत्रस्य प्रथमं सूत्रं किम् ?

1

(iii) अभ्यासस्य लक्षणं किम् ?

1

(iv) कदा वीर्य्यलाभः ?

1

(v) राजमार्तण्डवृत्तिकारः कः ?

1

(vi) 'अथ योगानुशासनम्' इत्यत्र भोजवृत्यनुसारेण 'अथ' शब्दस्य कोऽर्थः?

1

(vii) के पञ्च प्राणाः ?

1

(viii) बुद्धीन्द्रियाणि कानि ?

1

(IX) अन्तकरणचतुष्टयं लिखत ।

1

(X) मुमुक्षुता का ?

1

(XI) कानि पञ्चभूतानि ?

1

(XII) शमादिषट्कं किम् ?

1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

4. योगपदव्युत्पत्तिः लेख्या ।

2

5. प्रमाणानि कानि ?

2

6. के विक्षेपसहभुवः ?

2

- | | |
|--|---|
| 7. वैराग्यस्य लक्षणं लिखत । | 2 |
| 8. सम्प्रज्ञातसमाधेः लक्षणं विलिखत । | 2 |
| 9. ब्रह्मवित्तमस्य लक्षणं किम् ? | 2 |
| 10. कर्मेन्द्रियाणि कानि ? | 2 |
| 11. सूक्ष्मशरीरस्य लक्षणं लिखत । | 2 |
| 12. आत्मनः विशेषणानि कानि ? | 2 |
| 13. का श्रद्धा कथिता सद्भिर्यथा वस्तूपलभ्यते ? | 2 |

खण्ड:-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- | | |
|---|-------------|
| 14. कस्यचिदेकस्य विवेचनं कार्यम् - | 3 |
| (क) विपर्ययः । | (ख) वृत्तयः |
| 15. ‘ईश्वरप्रणिधानाद्वा’ इति सूत्रं भोजवृत्त्यानुसारं विवेचयत । | 3 |
| अथवा | |
| ‘तज्जपस्तदर्थभावनम्’ इति सूत्रं भोजवृत्त्यानुसारं विवेचयत । | |
| 16. कस्यचिदेकस्य विवेचनं कुरुत । | 3 |
| (क) समापत्तिः । | (ख) समाधिः |
| 17. वेदान्तदर्शने अधिकारिलक्षणं विलिखत । | 3 |
| अथवा | |
| विवेकचूडामणिदिशा आत्मज्ञानस्य महत्त्वं स्पष्टयत । | |

खण्ड:-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 18. ‘अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः’ इति सूत्रं स्पष्टयत । | 4 |
| अथवा | |
| ‘तस्य वाचकः प्रणवः’ इति सूत्रं विवेचयत । | |
| 19. कस्यचिदेकस्य श्लोकस्य स्वपाठ्यग्रन्थानुसारं व्याख्या कार्या - | 4 |
| वेदान्तार्थविचारणे जायते ज्ञानमुत्तमम् । | |
| तेनात्यन्तिकसंसारदुःखनाशोऽभवत्पुनः ॥ | |
| अथवा | |
| अस्त्युपायो महान्कश्चित्संसारभयनाशनः । | |
| तेन तीर्त्वा भवाम्बोधिं परमानन्दमाप्स्यसि ॥ | |

20. पद्ययोरेकस्य भावार्थं स्वपाठ्यपुस्तकानुसारं विशदयत ।

4

वाग्वैखरी शब्दझरी शास्त्रव्याख्यानकौशलम् ।

वैदुष्यं विदुषां तद्वद् भुक्तये न तु मुक्तये ॥

अथवा

वीणाया रूपसौन्दर्यं तन्त्रीवादनसौष्ठवम् ।

प्रजारञ्जनमात्रं तन्न साम्राज्याय कल्पते ॥

BSEER

प्रश्न-पत्र की योजना 2024-2025

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय
विषय – सामान्य विज्ञान (56)
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक— 56

1. उद्देश्य हेतु अंकभार—

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	17	30.36
2.	अवबोध	17	30.36
3.	ज्ञानोपयोग	10	17.85
4.	कौशल	5.5	9.82
5.	विश्लेषण	6.5	11.61
योग			100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार—

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	18	½	9	16.07	33.96	35
2.	रिक्तस्थान	10	½	5	8.92	18.87	20
3.	अतिलघुत्तरात्मक	10	1	10	17.86	18.87	20
4.	लघुत्तरात्मक	10	1½	15	26.79	18.87	35
5.	दीर्घउत्तरीय	3	3	9	16.07	5.66	45
6.	निबंधात्मक	2	4	8	14.29	3.77	40
	योग	53		56	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार—

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	स्थिर वैद्युतिकी	1.5	2.67
2	स्थिर चुम्बकीय	1.5	2.67
3	प्रतिरोध एवं संधारित्र	1.5	2.67
4	विभवमापी	1.5	2.67
5	विद्युत चुम्बकीय प्रेरण	3	5.35
6	परमाणु सिद्धान्त	3	5.36
7	घनात्मक किरणें	1	1.79
8	रेडियोधर्मिता	1	1.79
9	पदार्थों के चुम्बकीय गुण	3	5.35
10	अर्द्धचालक	1	1.79
11	दिष्टकारी	1	1.79
12	रासायनिक आबंधन	3	5.36
13	रासायनिक तथा आयनिक साम्य	4	7.14

14	धातु एवं धातु कर्म	4	7.14
15	कार्बनिक रसायन	4	7.14
16	बहुलक	4	7.14
17	आवृतबीजी पादपों का वर्गीकरण	1	1.79
18	मुख्य पादप कुलों का वानस्पतिक वर्णन	1	1.79
19	आंतरिक संरचना—जड़, तना, पत्ती, द्वितीयक एवं असंगत वृद्धि	2	3.57
20	औषधीय महत्व के मुख्य पादपों का सामान्य विवरण	2	3.57
21	पादप शरीर क्रिया विज्ञान—प्रथम	1	1.79
22	पादप शरीर क्रिया विज्ञान—द्वितीय	1	1.79
23	जन्तु जगत का वर्गीकरण	2	3.57
24	पाचन तंत्र	1	1.79
25	श्वसन तंत्र	1	1.79
26	परिसंचरण तंत्र	1	1.79
27	उत्सर्जन तंत्र	1	1.79
28	अन्तः स्त्रावी ग्रन्थियाँ	1	1.79
29	तंत्रिका तंत्र	0.5	0.89
30	जनन तंत्र	0.5	0.89
31	जन्तुओं में विकास का सामान्य परिचय	1	1.79
32	जन्तुओं में निषेचन एवं विदलन	1	1.79

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट 2024-2025

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय

विषय :- सामान्य विज्ञान (56)

समय :- 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक- 56

[illegible]

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2025
Varishth Upadhaya Examination, 2025

नमूना प्रश्न-पत्र

Model Paper

विषय – सामान्य विज्ञान (संस्कृत शिक्षा) (56)

Sub : General Science

समय : 03 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

खण्ड – अ

Section - A

- 1) बहुचयनात्मक प्रश्न : निम्नांकित प्रश्नों में दिए गए सही विकल्प का चयन कर उत्तर को उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।

Multiple Choice Questions: Write the answer in answer book by selecting the correct option given in the following questions:-

- i) समस्थानिक नाभिक वे नाभिक होते हैं जिनके लिए—

1/2

- | | |
|------------------------|------------------------|
| अ) Z व A समान होते हैं | ब) Z समान व A अलग-अलग |
| स) Z अलग-अलग व A समान | द) Z व A दोनों अलग-अलग |

Isotopic nuclei are those nuclei for which -

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| A) Z and A are the same | B) Z same and A different |
|-------------------------|---------------------------|

ii) धातुओं में विद्युत चालकता का कारण है—

अ) प्रोटोन ब) मुक्त इलेक्ट्रॉन
स) बन्धित इलेक्ट्रान द) आयन

A) Proton B) Free Electron
C) Bonded Electron D) Ion

 $\frac{1}{2}$

अ) 50%	ब) 40.6%
स) 81.2%	द) 100%

A) 50% B) 40.6%

C) 81.2% D) 100%

 $\frac{1}{2}$

अ) N ब) S
स) O द) N व S दोनों

A) N
B) S
C) O
D) N and S both

 $\frac{1}{2}$

अ) n ब) $2n$
स) $3n$ द) $4n$

A) n

B) 2n

C) 3n

D) 4n

 $\frac{1}{2}$

- अ) कुकर बिटेसी कुल में ब) सोलेनेसी कुल में
स) पोएसी कुल में द) मालवेसी कुल में

Pepo fruit is found in -

- A) In Cucurbitaceae family B) In Solanaceae family
C) In Poaceae family D) In Malvaceae family

vii) पादप का वह भाग जो मूलांकुर से विकसित होता है, कहलाता है—

1/2

- अ) मूल ब) तना
स) पत्ती द) उपरोक्त सभी

The part of the plant that develops from the radicle -

- A) Root B) Stem
C) Leaf D) All of the above

viii) निम्न में से किस पादप का तना एक बीजपत्री होते हुए भी द्वितीयक वृद्धि दर्शाता है—

1/2

- अ) ड्रेसीना ब) बिग्नोनिया
स) निकटेन्थस द) एकाइरेन्थस

Which of the following plant stem shows secondary growth despite being a monocotyledon -

- A) Dracaena B) Bignonia
C) Nyctanthes D) Achyranthes

ix) 40° c तापमान पर प्रकाश संश्लेषण की दर कम होने का कारण है—

1/2

- अ) CO₂ की मात्रा में वृद्धि ब) जल की कमी
स) एन्जाइम का विकृतिकरण द) उपरोक्त में से कोई नहीं

This is because the rate of photosynthesis decreases at 40 degree temperature-

- A) Increase in CO₂ content B) Shortage of water
C) Denaturation of enzyme D) Neither of the above

x) EMP परिपथ में कुल कितने ATP का शुद्ध लाभ होता है—

1/2

- अ) 4 ब) 2

स) 6

द) 8

How many ATP are net gained in the EMP circuit -

A) 4

B) 2

C) 6

D) 8

xi) एस्केरिस किस वर्ग का जीव है—

1/2

अ) फैस्मिडिया

ब) निमेटोड़ा

स) सार्कोडिना

द) लोबोसा

Ascaris belongs to which class-

A) Fasmidia

B) Nimatoda

C) Sarcodina

D) Lobosa

xii) कॉकरोच में निर्मोचन है—

1/2

अ) 2 से 5 बार

ब) 4 से 8 बार

स) 5 से 10 बार

द) 7 से 10 बार

Moulting occurs in cockroach-

A) 2 to 5 times

B) 4 to 8 times

C) 5 to 10 times

D) 7 to 10 times

xiii) मनुष्य में कितने जोड़ी मेरु तंत्रिकाएँ पाई जाती है—

1/2

अ) 34

ब) 39

स) 31

द) 44

How many pairs of spinal nerves are found in humans-

A) 34

B) 39

C) 31

D) 44

xiv) काउपर्स ग्रन्थि निम्न में से किसमें पायी जाती है—

1/2

अ) नर मनुष्य में

ब) स्त्रियों में

स) मेंढक में

द) मछली में

Cowper's gland is found in which of the following -

A) In the male human

B) Among Women

C) In the frog

D) In Fish

xv) पक्षियों में अण्डे होते हैं—

1/2

अ) सूक्ष्मपीतकी

ब) मध्यपीतकी

स) अतिपीतकी

द) उपरोक्त सभी

Eggs of birds are -

A) Microlecithal

B) Mesolecithal

C) Macrolecithal

D) All of the above

xvi) निषेचित अण्डाणु में अतिरिक्त शुक्राणु के प्रवेश नहीं कर पाने का कारण है—

1/2

अ) निषेचन झिल्ली बनने के कारण ब) शुक्राणु मर जाते हैं

स) अण्डाणु में सक्रियन प्रारम्भ हो जाता है द) निषेचन शंकु नहीं बनता है

This is because the extra sperm is unable to penetrate the fertilized egg-

A) Due to the formation of fertilization membrane B) The Sperm die

C) Activation begins in the ovum D) The fertilization cone is not formed

xvii) $A+2B \rightleftharpoons C+D$ अभिक्रिया के लिए साम्य स्थिरांक का व्यंजक है—

1/2

अ) $\frac{[A][B]^2}{[C]}$

ब) $\frac{[A][B]}{[C]}$

स) $\frac{[C][D]}{[A][B]^2}$

द) $\frac{[C]}{2[B][A]}$

The equilibrium constant for $A+2B \rightleftharpoons C+D$ reaction is -

A) $\frac{[A][B]^2}{[C]}$

B) $\frac{[A][B]}{[C]}$

C) $\frac{[C][D]}{[A][B]^2}$

D) $\frac{[C]}{2[B][A]}$

xviii) निम्नलिखित में से कौनसा युग्म समआयन प्रभाव दर्शाता है—

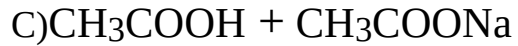
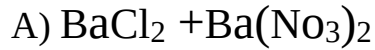
1/2

अ) $BaCl_2 + Ba(NO_3)_2$

ब) $KCl + HCl$

स) $CH_3COOH + CH_3COONa$ द) $AgCN + NaCN$

Which of the following pairs shows common ion effect-



2) निम्नांकित प्रश्नों के लिए रिक्त स्थानों की पूर्ति उत्तर पुस्तिका में कीजिए:

Fill in the blanks in answer book for following questions:

i) घनात्मक किरणें रेखा में गमन करती हैं। 1/2

Positive rays travel in a line.

ii) ठोसों में ऊर्जा स्तरों के समूह को बैंड कहते हैं। 1/2

A group of energy levels in solid is called an band.

iii) पूर्ण तरंग दिष्टकारी का उर्मिका गुणांक होता है। 1/2

The ripple coefficient of a full wave rectifier is

iv) कार्बन एवं हाइड्रोजन के संयोजन से बने यौगिकों को कहते हैं। 1/2

The Compounds made from the combination of carbon and hydrogen is called

v) निषेचन के पश्चात बीजाण्ड में तथा अण्डाशय में परिवर्तित होता है। 1/2

After fertilization the ovule transforms into the..... and ovary into the

vi) त्रिकपट युक्त फूला हुआ बीजाण्डासन..... कुल का लक्षण है। 1/2

The swollen ovule placenta with oblique septum is a characteristic of thefamily .

vii) परासरण दाब विलयन की सांद्रता के होता है। 1/2

Osmotic pressure is to the concentration of the solution .

viii) R.Q. का मान अवायु श्वसन में होता है। 1/2

The R.Q. value is in anaerobic respiration

ix) शुक्राणुओं के निर्माण की प्रक्रिया को कहते हैं। 1/2

The process of formation of sperms is called

x) ब्लास्टूला से गैस्ट्रूला निर्माण की क्रिया को कहते हैं। 1/2

The process of formation of gastrula from blastula is called

3) अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न :

Very short answer type questions :

i) माध्य आयु को परिभाषित कीजिए।

1

Define mean life.

ii) उत्क्रमणीय अभिक्रिया को एक उदाहरण द्वारा समझाइए।

1

Explain reversible reaction with an example.

iii) विलेयता गुणनफल किसे कहते हैं ?

1

What is solubility product called ?

iv) सक्रिय द्रव्यमान को परिभाषित कीजिए।

1

Define active mass.

v) एक बीजपत्री तने व द्विबीजपत्री तने में कोई दो मुख्य अन्तर लिखिए।

1

Write any two main differences between monocotyledonous and dicotyledonous stem .

vi) हल्दी पादप के किस भाग से प्राप्त की जाती है ?

1

Turmeric is obtained from which part of the plant ?

vii) मिलान कीजिए—

1

(अ) कुनैन

(i) सिनकोना ऑफिसिनैलिस

(ब) अफीम

(ii) फेरुला आसाफोइटिडा

(स) सर्पगंधा

(iii) राउल्फिया सर्पेन्टाइना

(द) हींग

(iv) पेपावर सोमनीफेरम

Match the following –

A) Quinine

(i) Cincona officinalis

B) Opium

(ii) Ferula asafoetida

C) Sarpagandha

(iii) Rauwalfia serpentina

D) Hing

(iv) Papaver somniferum

viii) अमीबा का जीवद्रव्य किन दो भागों में विभेदित होता है ?

1

Into which two parts is the cytoplasm of amoeba differentiated .

ix) मूत्र निर्माण की प्रक्रिया के प्रमुख चरण कौन-कौनसे होते हैं ?

1

What are the main steps in the process of urine formation ?

x) पीयूष ग्रन्थि का नामांकित चित्र बनाइए ?

1

Draw a labelled diagram of pituitary gland ?

खण्ड — ब

Section - B

लघुत्तरात्मक प्रश्न :

Short answer type questions:

4) विभवान्तर को परिभाषित कीजिए।

1½

Define potential difference.

5) परिनालिका का चित्र बनाइए।

1½

Draw a diagram of solenoid.

6) श्रेणीक्रम में जुड़े हुए तीन प्रतिरोधों के लिए तुल्य प्रतिरोध का मान लिखिए।

1½

Write the value of equivalent resistance for three resistors connected in series.

7) विभवमापी के दो अनुप्रयोग लिखिए।

1½

Write two applications of potentiometer.

8) विद्युत चुम्बकीय प्रेरण से आप क्या समझते हैं ?

1½

What do you understand by electromagnetic induction ?

9) प्रत्यावर्ती धारा तथा दिष्टधारा में अन्तर लिखिए।

1½

Write the difference between alternating current and direct current.

10) चुम्बकीय प्रवृत्ति (संवेदनशीलता) तथा चुम्बकीय पारगम्यता के मध्य सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

1½

Find the relation between magnetic susceptibility and magnetic permeability.

11) चुम्बक को परिभाषित कीजिए एवं इसके प्रकार भी लिखिए।

1½

Define magnet and also write its types.

- 12) ऐल्केनों के निर्माण के लिए कोल्बे बैद्युत अपघटनी विधि को समझाइए। 1½

Explain kolbe electrolytic process for the preparation of alkanes.

- 13) निम्नलिखित यौगिकों के IUPAC नाम लिखिए 1½



Write the IUPAC names of the following compounds-



खण्ड – स

Section – C

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

Long answer questions:

- 14) i) हुण्ड का नियम लिखिए। 1+1+1=3

Write down the Hund's law.

- ii) चुम्बकीय क्वाण्टम संख्या को समझाइए।

Explain magnetic quantum number.

- iii) बोर के परमाणु सिद्धान्त के मॉडल का चित्र बनाइए।

Draw a diagram of Bohr's model of atomic theory .

अथवा / OR

- i) $(n + \ell)$ नियम लिखिए।

Write down the $(n + \ell)$ law.

- ii) चक्रण क्वाण्टम संख्या को समझाइए।

Explain spin quantum number.

- iii) रदरफोर्ड के परमाणु मॉडल का चित्र बनाइए।

Draw a diagram of Rutherford's atomic model.

- 15) i) सहसंयोजक आबंध को परिभाषित कीजिए। 1+1+1=3

Define covalent bond.

- ii) ग्रेफाइट सहसंयोजक होते हुए भी विद्युत का सुचालक क्यों होता है ?

Why is graphite a conductor of electricity despite being covalent .

iii) S-S अतिव्यापन द्वारा H_2 अणु बनने का कक्षक चित्र बनाइए।

Draw the orbital diagram for formation of H_2 molecule by S-S overlapping.
अथवा / OR

i) उपसहसंयोजक आबंध को परिभाषित कीजिए।

Define coordinate bond.

ii) आयनिक यौगिक जल में विलेय क्यों होते हैं ?

Why are ionic compounds soluble in water ?

iii) s-p अतिव्यापन द्वारा HCL अणु बनने का कक्षक चित्र बनाइये।

Draw the orbital diagram for formation of HCL molecule by s-p overlapping.

16) i) पोषण विधि के आधार पर जीवों का वर्गीकरण लिखिए। 1+1+1=3

Write the classification of organisms on the basis of their mode of nutrition.

ii) अन्तः श्वसन की प्रक्रिया को समझाइए।

Explain the process of inhalation .

iii) मानव के हृदय की आन्तरिक संरचना का चित्र बनाइये।

Draw a diagram of the internal structure of human heart.
अथवा / OR

i) मानव के पाचन तंत्र को कितने भागों में विभेदित किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

Into how many parts is the human digestive system differentiated? Explain .

ii) निःश्वसन की प्रक्रिया को समझाइए।

Explain the process of exhalation .

iii) दोहरे रक्त परिसंचरण का चित्र बनाइए।

Draw a diagram of double blood circulation .

खण्ड – द

Section – D

निबन्धात्मक प्रश्न :

Essay type questions:

17) i) ढ़लवां लोहे व पिटवां लोहे में अन्तर लिखिए। 2+2=4

Write the difference between cast iron and wrought iron.

ii) कॉपर पाइराइट से कॉपर धातु के निष्कर्षण को विस्तारपूर्वक समझाइए।

Explain in detail the extraction of copper metal from copper pyrite .

अथवा / OR

i) खण्ड परिष्करण व वाष्प प्रावस्था परिष्करण में अंतर लिखिए।

Write the difference between block refining and vapour phase refining.

ii) बॉक्साइट से एल्यूमिनियम धातु के निष्कर्षण को विस्तारपूर्वक समझाइए।

Explain in detail the extraction of aluminium metal from bauxite.

18) i) समबहुलक व सहबहुलक में अन्तर लिखिए।

2+2=4

Write the difference between homopolymer and copolymer .

ii) निम्नलिखित बहुलकों के संश्लेषण, गुण व उपयोग लिखिए—

(अ) पॉलीवाइनिल क्लोराइड (ब) टेरिलीन

Write the synthesis, properties and uses of the following .

(A) Polyvinylechloride (B) Terylene

अथवा / OR

i) श्रृंखला वृद्धि बहुलक व पदवृद्धि बहुलक में अंतर लिखिए।

Write the difference between chain growth polymers and step growth polymers.

ii) निम्नलिखित बहुलकों के संश्लेषण, गुण व उपयोग लिखिए—

(अ) पॉलीस्टाइरीन (ब) नाइलॉन- 6

Write the synthesis, properties and uses of the following .

(A) Polystyrene (B) Nylon - 6

प्रश्नपत्र-योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- व्याकरणशास्त्रम् - VU-86

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.00%
4	कौशलम्	07	8.75%
5	विश्लेषणम्	09	11.25%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानांप्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	20निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	8 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	17निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	50निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	50निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50निमेषाः
योगः		53/20		80	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी		
	I. हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्	20	25.00%
	II. हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्	10	12.50%
	III. हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्	10	12.50%
	IV. अव्ययप्रकरणम्	05	06.25%
	V. स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्	10	12.50%
	VI. कारकप्रकरणम्	15	18.75%
2.	लिङ्गानुशासनम्	10	12.50%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्लू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - व्याकरणशास्त्रम् -VU - 86

पूर्णांकाः - 80 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः		
1.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी																										
	I. हलन्तपुंलिङ्गप्रकरणम्	6(1)	1(1)						2(1)	4(2)								4(1)							3(1)		20(7)
	II. हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्		1(-)						2(-)	4(2)															3(1)		10(3)
	III. हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्	1(-)	1(-)						1(-)	4(2)															3(1)		10(3)
	IV. अव्ययप्रकरणम्	1(-)								2(1)					2(-)												5(1)
	V. स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्	1(-)	1(-)						1(-)									4(1)					3(1)				10(2)
	VI. कारकप्रकरणम्	4(-)	1(-)							4(2)					2(-)								4(1)				15(3)
2.	लिङ्गानुशासनम्	5(-)	1(-)											2(-)	2(1)												10(1)
	योगः	18(1)	6(!)						6(1)	18(9)					6(-)	2(1)		8(2)				3(1)	4(1)			9(3)	
सर्वयोगः		24(2)					24(10)					16(3)					7(2)					9(3)					80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति । अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-20

No. of printed Pages

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- व्याकरणशास्त्रम् - VU-86

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

समयः - 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) 'वा द्रुहमुहष्णुहृष्णिहाम्' इति सूत्रेण भवति -

1

(अ) हस्य घो नित्यम्

(ब) हस्य घो विकल्पेन

(स) हस्य ढो नित्यम्

(द)हस्य ढो विकल्पेन

(ii) 'अनडुह्' शब्दस्य पुँल्लिङ्गस्य द्वितीया-बहुवचनरूपमस्ति-

1

(अ) अनड्वान्

(ब) अनडवन्

(स) अनड्वाहान्

(द) अनडुहः

(iii) 'नाभ्यस्ताच्छतुः' इत्येनेन भवति -

1

(अ) नुमागमः

(ब) नुमागमनिषेधः

(स) नुडागमः

(द) धुडागमः

(iv) 'पुमान्' इत्यत्र पुंसो भवति -

1

(अ) असुङ्

(ब) णमुट्

(स) धुट्

(द) नुट्

(v) चतुर्- शब्दो नित्यमस्ति -

1

(अ) एकवचनान्तः

(ब) द्विवचनान्तः

(स) त्रिवचनान्तः

(द)बहुवचनान्तः

(vi) उपदेशे दादेर्धातोर्हस्य घः स्यात् -

1

(अ) झलि

(ब) पदान्ते

(स) झलि पदान्ते च

(द) हलि

(vii) 'भान्ती' इत्यत्र केन नुमागमः भवति?

1

(अ) वा नपुंसकस्य

(ब) आच्छीनघोर्नुम्

(स) शप्श्यनोर्नित्यम्

(द) उगिदचां सर्वनामस्थानेऽधातोः

(viii) 'पुनर्' शब्दे अव्ययसंज्ञा-सूत्रमस्ति -

1

(अ) कृन्मेजन्तः

(ब) त्वातोऽनुन्कसुनः

(स) स्वरादिनिपातमव्ययम्

(द)अव्ययीभावश्च

(ix) 'यञश्च' इत्येन भवति -	1
(अ) डीप्	(ब) डीष्
(स) डीन्	(द) टाप्
(x) 'अधिगर्थदयेषां कर्मणि' इति सूत्रेण भवति -	1
(अ) षष्ठी	(ब) पंचमी
(स) तृतीया	(द) चतुर्थी
(xi) "आङ् मर्यादावचने" इति सूत्रेण भवति -	1
(अ) कर्मसंज्ञा	(ब) अपादानसंज्ञा
(स) कर्मप्रवचनीयसंज्ञा	(द) पञ्चमी विभक्तिः
(xii) प्रथमा भवति-	1
(अ) प्रातिपदिकार्थमात्रे	(ब) लिङ्गमात्राधिक्ये
(स) परिमाणमात्रे	(द) सर्वत्र
(xiii) कारकं नास्ति -	1
(अ) सम्प्रदानम्	(ब) अपादानम्
(स) सम्बन्धः	(द) अधिकरणम्
(xiv) 'याद'-शब्दस्य किं लिङ्गम् ?	1
(अ) पुंलिङ्गम्	(ब) स्त्रीलिङ्गम्
(स) नपुंसकलिङ्गम्	(द) पुंलिङ्गं स्त्रीलिङ्गञ्च
(xv) श्रोणि-शब्दः प्रयुज्यते -	1
(अ) पुंसि	(ब) नपुंसके
(स) स्त्रियाम्	(द) स्त्रीपुंसोः
(xvi) 'ईकारान्तश्च' इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति -	1
(अ) नदी	(ब) गौरी
(स) लक्ष्मीः	(द) गार्ग्यायणी
(xvii) स्त्रियां भवन्ति -	1
(अ) तलन्ताः	(ब) ऊडन्ताः
(स) आबन्ताः	(द) सर्वे
(xviii) 'अपत्यार्थस्तद्धिते' इत्यस्योदाहरणमस्ति -	1
(अ) यष्टिः	(ब) मृत्युः
(स) पट्टी	(द) औपगवः

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

- | | |
|--|---|
| (i) इदमोऽन्वादेशे..... । | 1 |
| (ii) नहो. धः स्यात् झलि पदान्ते च । | 1 |
| (iii) सम्बुद्धौ नपुंसकानां..... वक्तव्यः । | 1 |
| (iv) शूद्रा.....जातिः । | 1 |
| (v) सूर्यतिष्यागस्त्य..... उपधायाः । | 1 |
| (vi) द्वाराग्र..... ... छत्राणि नपुंसके । | 1 |

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

- | | |
|--|---|
| (i) 'राज्ञः' इत्यत्र अलोपः केन भवति? | 1 |
| (ii) 'अष्टाभ्य औश्' इत्यस्य किमुदाहरणम् ? | 1 |
| (iii) 'उपानत्सु' इत्यत्र चर्त्वविधायकं सूत्रं किम् ? | 1 |
| (iv) 'उष्णिग्' इत्यत्र को धातुः ? | 1 |
| (v) 'वार-शब्दस्य प्रथमैकवचने किं रूपम् ? | 1 |
| (vi) 'तद्धितश्चासर्वविभक्तिः' इति सूत्रं किं करोति ? | 1 |
| (vii) 'अहंयुः' इत्यत्र अव्ययसंज्ञा केन सूत्रेण भवति ? | 1 |
| (viii) 'खट्वा' इत्यत्र प्रत्ययविधानं केन सूत्रेण भवति ? | 1 |
| (IX) "शत्रून् अगमयत् स्वर्गम्" इत्यत्र कर्मसंज्ञा केन सूत्रेण भवति ? | 1 |
| (X) 'तृतीयार्थे' इति सूत्रेण का संज्ञा भवति ? | 1 |
| (XI) थोपधाः अकारान्ताः शब्दाः कस्मिन् लिङ्गे भवन्ति ? | 1 |
| (XII) 'दिनाहनी नपुंसके' इत्यस्य कोऽर्थः ? | 1 |

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

- | | |
|--|---|
| 4. 'नाञ्चेः पूजायाम्' इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः । | 2 |
| 5. 'अदस औ सुलोपश्च' इत्यस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः । | 2 |
| 6. 'नहो धः' इति सूत्रं व्याख्येयम् । | 2 |
| 7. 'अद्भ्यः' इति प्रयोगः साधनीयः । | 2 |
| 8. 'शप्श्यनोर्नित्यम्' इति सूत्रं व्याख्यायताम् । | 2 |

- | | |
|--|---|
| 9. 'स्वनड्वांहि' इति रूपं साधयत । | 2 |
| 10. 'त्त्वातोसुनकसुनः' इति सूत्रं व्याख्येयम् । | 2 |
| 11. 'प्रेष्यब्रुवोर्हविषो देवता सम्प्रदाने' इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः । | 2 |
| 12. 'स्वामीश्वराधिपतिदायादसाक्षिप्रतिभूप्रसूतैश्च' इति सूत्रं व्याख्यायताम् । | 2 |
| 13. 'कण्टकनीकसरकमोदक.....' इति सूत्रं प्रपूर्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः । | 2 |

खण्ड:-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 14. अधोलिखितेषु दौ प्रयोगो साधनीयौ - | 3 |
| (अ) ध्रुक्षु (ब) असौ (स) अमुमुयङ् (द) विद्वान् | |
| 15. अधोलिखितेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रयोगः साधनीयः - | 3 |
| (अ) द्यौः (ब) अमुया (स) इमाः (द) चत्वारि | |
| 16. अधोलिखितेषु प्रयोगद्वयं साधनीयम् - | 3 |
| (अ) एनानि (ब) वाग्मीनि (स) ददन्ति (द) वार्षु | |
| 17. निम्नलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ - | 3 |
| (अ) कुण्डोष्ठी (ब) तुङ्गनासिकी (स) पलिक्री (द) काली | |

खण्ड:-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

- | | |
|--|---|
| 18. निम्नलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ- | 4 |
| (अ) विश्वाट्सु (ब) यूनः (स) वृत्रघ्नः (द) युष्मभ्यम् | |
| 19. अधोलिखितेषु प्रयोगद्वयं साधनीयम् - | 4 |
| (अ) तैषः (ब) वृषाकपायी (स) गङ्गाका (द) औत्सी | |
| 20. निम्नलिखितेषु कयोश्चिद् द्वयोः रूपसिद्धिः विधेया - | 4 |
| (अ) यूपाय दारु (ब) एधोदकस्योपस्करणम् (स) अधि रामे भूः (द) कृष्णः | |

प्रश्नपत्र-योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- साहित्यशास्त्रम् - VU-87

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.सं.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.00%
4	कौशलम्	08	10.00%
5	विश्लेषणम्	08	10.00%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकाराः	प्रश्नसंख्याः	प्रतिप्रश्नमंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	20निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	8 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	17निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	50निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	50निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50निमेषाः
योगः		53/20		80	100	195 निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	चन्द्रालोकः(पञ्चममयूखस्य 51श्लोकतः दशममयूखपर्यन्तम्		
	I. कारिकाव्याख्या - पञ्चममयूखः	10	12.50%
	II. विषयवस्तुप्रश्नाः - षष्ठमयूखः	10	12.50%
	III. सङ्गतिकरणम् - सप्तममयूखः	07	08.75%
	IV. अष्टममयूखः	05	06.25%
	V. नवममयूखः	05	06.25%
	VI. दशममयूखः	03	03.75%
2.	मेघदूतम्	20	25.00%
3.	प्रतिमानाटकम्	20	25.00%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः विषयः - साहित्यशास्त्रम् -VU - 87

पूर्णांकाः - 80 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः						
1.	I. पञ्चममयूखः	2(1)	1(1)					1(1)	6(3)																10(6)		
	II. षष्ठमयूखः	2(-)	1(-)									2(-)	2(1)							3(1)					10(2)		
	III. सप्तममयूखः	1(-)	1(-)					1(-)							4(1)										7(1)		
	IV. अष्टममयूखः	1(-)							4(2)																5(2)		
	V. नवममयूखः	1(-)	1(-)											3(1)											5(1)		
	VI. दशममयूखः	1(-)						2(-)																	3(-)		
2.	मेघदूतम्	5(-)	1(-)					3(-)	4(2)					3(1)										4(1)	20(4)		
3.	प्रतिमानाटकम्	5(-)	1(-)					3(-)					2(1)						2(1)	3(1)				4(1)	20(4)		
	योगः	18(1)	6(!)					10(1)	14(7)				2(-)	4(2)	6(2)	4(1)			2(1)	6(2)				8(2)			
सर्वयोगः		24(2)					24(8)					16(5)					8(3)					8(2)					80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा ।

No. of Questions-20

No. of printed Pages

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

विषय:- साहित्यशास्त्रम् - VU-87

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

समयः - 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरिनामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम् -2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः-साहित्यशास्त्रम् -VU-87

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 80

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) वाक्ययोः अर्थसामान्ये सति अलङ्कारो भवति -

1

(अ) तुल्ययोगितालङ्कारः

(ब) दृष्टान्तालङ्कारः

(स) प्रतिवस्तूपमालङ्कारः

(द) निदर्शनालङ्कारः

(ii) 'मेधां बुधः सुधामिन्दुर्बिभर्ति वसुधां भवान्' इत्यत्रालङ्कारो भवति-

1

(अ) अर्थापत्तिः

(ब) दीपकः

(स) विरोधाभासः

(द) व्यतिरेकः

(iii) रससंज्ञां प्राप्नोति -

1

(अ) सञ्चारिभावः

(ब) अनुभावः

(स) विभावः

(द) स्थायिभावः

(iv) शान्तरसस्य स्थायिभावो भवति -

1

(अ) निर्वेदः

(ब) जुगुप्सा

(स) हासः

(द) रतिः

(v) वक्तृस्यूतव्यङ्ग्यस्य भेदाः सन्ति -

1

(अ) पञ्च

(ब) चत्वारः

(स) सप्त

(द) त्रयः

(vi) चन्द्रालोके गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यं कतिविधं वर्णितम्?

1

(अ) दशविधम्

(ब) सप्तविधम्

(स) अष्टविधम्

(द) पञ्चविधम्

(vii) 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र लक्षणा वर्तते -

1

(अ) रूढिः

(ब) प्रयोजनवती

(स) अभिधा

(द) अस्फुटम्

(viii) 'पाचकः' इत्यत्र अभिधा भवति -

1

(अ) गुणेन

(ब) क्रियया

(स) संज्ञया

(द) वस्तुयोगेन

(ix) अलकापुराधीशः अस्ति-	1
(अ) कालिदासः	(ब) यक्षः
(स) मेघः	(द) कुवेरः
(x) मेघदूते शम्भोः केशग्रहणम् अकरोत् -	1
(अ) अलका	(ब) जह्मोः कन्या
(स) देवाङ्गना	(द) सगरतनया
(xi) श्रीविशाला विशाला पुरी वर्तते -	1
(अ) उज्जयिनी	(ब) विदिशा
(स) अलकापुरी	(द) दशार्णा
(xii) मेघदूते छन्दः प्रयुक्तम्-	1
(अ) शिखरिणी	(ब) मन्दाक्रान्ता
(स) आर्या	(द) वसन्ततिलका
(xiii) मेघदूतस्य नायकः नाट्यशास्त्रीय-दृष्ट्या वर्तते -	1
(अ) धीरललितः	(ब) धीरप्रशान्तः
(स) धीरोद्धतः	(द) धीरोदात्तः
(xiv) प्रतिमानाटके अङ्काः सन्ति -	1
(अ) सप्त	(ब) षट्
(स) पञ्च	(द) नव
(xv) रामः अरण्ये श्राद्धकर्म कर्तुमिच्छति स्म ।	1
(अ) दशरथस्य	(ब) जटायोः
(स) सुमन्त्रस्य	(द) भवभूतेः
(xvi) प्रतिमागृहे प्रतिमाः स्थापिताः आसन् -	1
(अ) पशूनाम्	(ब) इक्ष्वाकुवंशीयनृपाणाम्
(स) देवानाम्	(द) अयोध्यावासिनाम्
(xvii) भरतः कदा मातुलगृहाद् अयोध्यां प्रत्यागतः?	1
(अ) चतुर्दशवर्षानन्तरम्	(ब) दशवर्षानन्तरम्
(स) द्वादशवर्षानन्तरम्	(द) नववर्षानन्तरम्
(xviii) 'राजा किलास्मि भुवि सत्कृतभारवाही' इत्यत्र छन्दो विद्यते -	1
(अ) वसन्ततिलका	(ब) वंशस्थम्
(स) स्रग्धरा	(द) शिखरिणी

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

- | | |
|--|---|
| (i) वाक्यार्थयोः सदृशयोरैक्यारोपो..... । | 1 |
| (ii)रसो रौद्रो विभावाद्यैः समन्वितः । | 1 |
| (iii).....द्वौ भेदौ वाच्यमेव चेत् । | 1 |
| (iv) लक्षकस्थं स्फुटं यत्र सा..... । | 1 |
| (v) क्षिप्रावातः.....इव प्रार्थना चाटुकारः । | 1 |
| (vi) गङ्गायमुनयोर्मध्ये..... प्रवेशिता । | 1 |

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

- | | |
|---|---|
| (i) मधुरावृत्तिं निरूपयत । | 1 |
| (ii) रससन्दर्भे कार्यरूपः कः भवति ? | 1 |
| (iii) मालादीपकालङ्कारस्य लक्षणं लिखत । | 1 |
| (iv) असंलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनौ केषामन्तर्भावो भवति? | 1 |
| (v) निर्दिष्टशब्दानामर्थबोधः कया वृत्त्या भवति ? | 1 |
| (vi) अभिधाभेदाः नामतो गणनीयाः । | 1 |
| (vii) विप्रयोगे अङ्गनानां हृदयं कः रुणद्धि? | 1 |
| (viii) नलिन्याः कमलवदनात् प्रालेयास्त्रं हर्तुं कः प्रत्यावृत्तः? | 1 |
| (IX) रावणस्य कथनानुसारं काञ्चनमृगः कुत्र निवसति स्म? | 1 |
| (X) रामः कीदृशः नायकः? | 1 |
| (XI) रामस्य रूपमादर्श इव सङ्क्रान्तं कुत्र तिष्ठति ? | 1 |
| (XII) उदयनकथाकोविदग्रामवृद्धाः कुत्र वसन्ति ? | 1 |

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

- | | |
|--|---|
| 4. 'त्रियामा शशिना भाति शशी भाति त्रियामया' इत्यत्र कोऽलङ्कारः? तल्लक्षणं लेखनीयम् । | 2 |
| 5. अप्रस्तुतप्रशंसा लङ्कारस्य लक्षणं विलिख्य उदाहरणमपि लिखत । | 2 |
| 6. वाच्यसिद्धयङ्गुणीभूतव्यङ्ग्यं कुत्र भवति? सोदाहरणं लिखत । | 2 |
| 7. सरस्यामीलदम्भोजे चक्रः कान्तां विलोकते । इत्यत्र कीदृशं गुणीभूतव्यङ्ग्यम्? इति स्पष्टीकुरुत । | 2 |
| 8. यक्षो मेघं कथं गन्तुं निर्दिशति? | 2 |

9. अलकापुर्याः सौन्दर्यं मेघदूतदिशा लिखत । 2
10. भयानकरसस्वरूपं लिखत । 2
11. प्रतीपालङ्कारं सोदाहरणं विवेचयत । 2
12. प्रतिमानाटकस्य नामकरणस्य किं प्रयोजनम् ? 2
13. 'मुनिजनवनवासं प्राप्तवानस्मि भूयः' इत्यत्र छन्दः परिचीय तल्लक्षणमपि लिखत । 2

खण्डः-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

14. अधोलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः व्याख्या करणीया । 3
- (अ) रतिर्देवादिविषयाः सन्ति च व्यभिचारिणः ।
वेद्यमाना निगद्यन्ते भावाः साहित्यवेदिभिः ॥
- (ब) उत्साहाख्यस्थायिभावः प्रभावादिविभावभूः ।
वीरोऽनुभावैः स्थैर्याद्यैर्भावैर्गवादिभिर्युतः ॥
15. अधोलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः व्याख्या करणीया । 3
- (अ) लक्ष्यलक्षकवैशिष्ट्याद् द्विविधा लक्षणा पुनः ।
सरसं काव्यममृतं विद्या स्थिरतरं धनम् ॥
- (ब) शब्दे पदार्थे वाक्यार्थे संख्यायां कारके तथा ।
लिङ्गे चेत्यमलङ्काराऽङ्कुरबीजतया स्थिता ॥
16. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसङ्गभावार्थो लेखनीयः । 3
- (अ) प्रद्योतस्य प्रियदुहितरं वत्सराजोऽत्र जह्ने,
हैमं तालद्रुमवनमभूदत्र तस्यैव राज्ञः ।
अत्रोद्भ्रान्तः किल नलगिरिः स्तम्भमुत्पाट्य दर्पा-
दित्यागन्तून् रमयति जनो यत्र बन्धूनभिज्ञः ॥
- (ब) ये संरम्भोत्पतनरभसाः स्वाङ्गभङ्गाय तस्मिन्,
मुक्ताध्वानं सपदि शरभा लङ्घयेयुर्भवन्तम् ।
तान्कुर्वीथास्तुमुलकरकावृष्टिपातावकीर्णान्,
के वा न स्युः परिभवपदं निष्फलरम्भयत्नाः ॥
17. महाकविभासप्रणीतस्य प्रतिमानाटकस्य पञ्चमाङ्कस्य कथासारः संस्कृतेन स्वशब्दैः लेखनीयः । 3

अथवा

महाराजदशरथस्य चरित्रचित्रणं करणीयम् ।

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

18. अधोलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः सप्रसङ्ग-व्याख्या करणीया ।

1 + 3 = 4

- (अ) नाना प्रभेदा नियताः क्वचित् प्रकरणादिना ।
अर्थेऽर्थमन्यं यं वक्ति तद्वाच्यव्यङ्ग्यमिष्यते ॥
- (ब) द्वौ विवक्षितवाच्यस्य लक्ष्यालक्ष्यक्रमात्मकौ ।
चत्वारिंशद्युतैकेन भेदाः षट् चानयोः क्रमात् ॥

19. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसङ्ग-व्याख्या करणीया । 1 + 3 = 4

- (अ) ब्रह्मावर्तं जनपदमथच्छायया गाहमानः,
क्षेत्रं क्षत्रप्रधनपिशुनं कौरवं तद्भजेथाः ।
राजन्यानां शितशरशतैर्यत्र गाण्डीवधन्वा,
धारापातैस्त्वमिव कमलान्यभ्यवर्षन्मुखानि ॥
- (ब) हारांस्तारांस्तरलगुटिकान् कोटिशःशंखशुक्तीः,
शष्पश्यामान् मरकतमणीनुन्मयूखप्ररोहान् ।
दृष्ट्वा यस्यां विपणिरचितान् विद्रुमाणाञ्च भङ्गान् ।
संलक्ष्यन्ते सलिलनिधयस्तोयमात्रावशेषाः ॥

20. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसङ्ग-व्याख्या करणीया ।

1 + 3 = 4

- (अ) हत्वा रिपुप्रभवमप्रतिमं तमौघं,
सूर्योऽन्धकारमिव शौर्यमयैर्मयूखैः ।
सीतामवाप्य सकलाशुभवर्जनीयां,
रामो महीं जयति सर्वजनाभिरामः ॥
- (ब) वयमयशसा चीरेणार्यो नृपो गृहमृत्युना,
प्रततरुदितैः कृत्स्नाऽयोध्या मृगैः सह लक्ष्मणः ।
दयिततनयाः शोकेनाम्बाः स्तुषाध्वपरिश्रमै-
र्धिगिति वचसा चोग्रेणात्मा त्वया ननु योजितः ॥

प्रश्नपत्र - योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- धर्मशास्त्रम् - VU-89

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांक:-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.00%
4	कौशलम्	08	10.00%
5	विश्लेषणम्	08	10.00%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः:-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नसंख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकः	कुलकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	20निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	6/1	1	06	7.50%	8 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	17निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	50निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	50निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50निमेषाः
योगः		53/20		80	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	19अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	मनुस्मृति-चतुर्थ-पञ्चम-अध्यायौ		
(क)	ब्रह्मचर्यगार्हस्थकालः, पञ्चयज्ञाः, सन्तोषप्रशंसा, सोमयज्ञः, सूर्यदर्शनम्, धूर्तलक्षणम्, नरक-स्वर्गज्ञानम् ।	20	25.00%
(ख)	ब्रह्ममुहूर्ते गायत्रीजपविधिः, प्रतिग्रहनिन्दा ।	20	25.00%
(ग)	द्रव्यशुद्धिः, नित्यपदार्थशुद्धिः, पतिव्रताधर्मलक्षणम्	10	12.50%
2.	धर्मशास्त्रेतिहासः		
(क)	धर्मस्य उपादानकालविचारः	10	12.50%
(ख)	धर्मसूत्रग्रन्थकाराणां परिचयः	10	12.50%
(ग)	स्मृतिकाराणां परिचयः, व्यक्तित्वं कृतित्वं च ।	10	12.50%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषय: - धर्मशास्त्रम् -VU - 89

पूर्णांकाः - 80 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधा:/उपविधा:	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः
		बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.प्रश्न	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि.प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति.लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः		
1.	मनुस्मृति-चतुर्थ-पञ्चम-अध्यायौ																										
(क)	ब्रह्मचर्यगार्हस्थकालः, पञ्चयज्ञाः, सन्तोषप्रशंसा, सोमयज्ञः, सूर्यदर्शनम्, धूर्तलक्षणम्, नरक-स्वर्गज्ञानम् ।	3(1)	2(1)						2(1)								6(3)								4(1)	20(8)	
(ख)	ब्रह्ममुहूर्ते गायत्रीजपविधिः, प्रतिग्रहनिन्दा ।	4(-)	1(-)						2(-)	10(5)									3(1)							20(6)	
(ग)	द्रव्यशुद्धिः, नित्यपदार्थशुद्धिः, पतिव्रताधर्मलक्षणम्	1(-)							2(-)	4(2)							3(1)									10(3)	
2.	धर्मशास्त्रेतिहासः																										
(क)	धर्मस्य उपादानकालविचारः	4(-)	1(-)						2(-)								3(1)									10(1)	
(ख)	धर्मसूत्रग्रन्थकाराणां परिचयः	3(-)	1(-)						2(-)																4(1)	10(1)	
(ग)	स्मृतिकाराणां परिचयः, व्यक्तित्वं कृतित्वं च ।	3(-)	1(-)														4(1)		2(-)							10(1)	
	योगः	18(1)	6(1)						10(1)	14(7)							6(3)	6(2)	4(1)			2(-)		6(2)		8(2)	
सर्वयोगः		24(2)					24(8)					16(6)					8(2)					8(2)					80(20)

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति । अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions- 20
No. of printed Pages –

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः धर्मशास्त्रम् - 89

समयः 3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांका - :80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्
वरिष्ठ-उपाध्यायपरीक्षा, 2025
धर्मशास्त्रम् , कोड - 89

समय : 3:15 घण्टे

पूर्णांक : 80

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः -

18x1 = 18

(i) प्रमृतं किं तात्पर्यम् ?

1

(अ) मृतम्

(ब) अमृतम्

(सं) भैक्ष्यम्

(द) कर्षणम्

(ii) सुखमूलं किम् ?

1

(अ) धनम्

(ब) सन्तोषः

(स) भोजनम्

(द) भ्रमणम्

(iii) सत्यानृतं किम्?

1

(अ) वाणिज्यम्

(ब) धनम्

(स) जलम्

(द) दुर्गम्

(iv) सूर्यं कदा न पश्येत् ?

1

(अ) प्रातःकाले

(ब) मध्याह्नकाले

(स) सायंकाले

(द) उषाकाले

(v) कस्मिन् मुहूर्ते उत्तिष्ठेत् ?

1

(अ) ब्रह्ममुहूर्ते

(ब) शुभमुहूर्ते

(स) लाभमुहूर्ते

(द) अमृतमुहूर्ते

(vi) कीदृशस्य पुरुषस्य निन्दा भवति?

1

(अ) दुराचारिणः

(ब) सदाचारिणः

(स) छलचारिणः

(द) बकचारिणः

(vii) आश्रमाः कति ?

1

(अ) षट्

(ब) चत्वारः

(स) पञ्च

(द) दश

(viii) धर्मस्य स्थानानि कति?

1

- (अ) एकादश (ब) चतुर्दश
(स) षोडश (द) त्रयोदश
- (ix) सप्तपुरुषपर्यन्तं किं भवति? 1
(अ) सपिण्डता (ब) निर्मलता
(स) काम्यता (द) निर्भयता
- (x) राज्ञः अन्नेन किं नश्यति ? 1
(अ) तेजः (ब) यशः
(स) आयुः (द) बलम्
- (xi) धर्मसूत्रेषु प्राचीनतममस्ति - 1
(अ) मानवधर्मसूत्रम् (ब) हारीतधर्मसूत्रम्
(स) वशिष्ठधर्मसूत्रम् (द) गौतमधर्मसूत्रम्
- (xii) अन्नप्राशनसंस्कारः क्रियते - 1
(अ) तृतीयमासे (ब) षष्ठमासे
(स) नवमासे (द) अष्टमासे
- (xiii) मनुस्मृतौ कति अध्यायाः सन्ति? 1
(अ) सप्त (ब) अष्टौ
(स) नव (द) द्वादश
- (xiv) संस्काराः भवन्ति- 1
(अ) चत्वारः (ब) पञ्च
(स) सप्त (द) षोडश
- (xv) वेदाः कति सन्ति? 1
(अ) एकादश (ब) चत्वारः
(स) सप्त (द) अष्टौ
- (xvi) गौतमः कस्य प्रणेता ? 1
(अ) न्यायशास्त्रस्य (ब) वेदशास्त्रस्य
(स) साहित्यशास्त्रस्य (द) दर्शनशास्त्रस्य
- (xvii) शुद्धविवेकग्रन्थस्य लेखकः कः? 1
(अ) रुद्रधरः (ब) पाणिनिः

(स) कालिदासः

(द) हारीतः

(xviii) लोकपालाः सन्ति -

1

(अ) द्वादश

(ब) नव

(स) दश

(द) अष्टौ

2. रिक्तस्थानानि पूरयत ।

6x1 = 6

(i) सत्यानृतं तु -----जीव्यते ।

1

(ii) इन्द्रियार्थेषु सर्वेषु -----कामतः ।

1

(iii) यथाशास्त्रं तु -----छन्दसा बहिः ।

1

(iv) धारणाद् धर्ममित्याहुः-----धारयेत् प्रजाः ।

1

(v) वेदोऽखिलो-----मूलम् ।

1

(vi) यतो धर्मः-----जयः ।

1

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः ।

12x1 = 12

(i) दुःखमूलं किम् ?

1

(ii) पशुबन्धयज्ञं कदा कुर्यात् ?

1

(iii) अमावास्या कं हन्ति ?

1

(iv) आचार्यः कस्य लोकस्य स्वामी भवति ?

1

(v) मातुलः कस्य लोकस्य स्वामी भवति ?

1

(vi) कस्य आयुः दीर्घं भवति ?

1

(vii) धर्मशास्त्रेतिहासस्य लेखकः कः?

1

(viii) बोधायनः कस्य वेदस्य आचार्यः ?

1

(ix) गौतमेन कति संस्काराः प्रतिपादिताः ?

1

(x) कौटिल्यः कस्य शास्त्रस्य प्रणेता ?

1

(xi) शुक्लयजुर्वेदस्य आचार्यः कः?

1

(xii) निर्णयसिन्धोः लेखकः कः?

1

खण्डः - 'ब'

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः ।

10x2 = 20

4. अतिथिसत्कारं कथं कुर्यात् ?

2

5. भूशुद्धिः कतिधा भवति ?

2

6. सदाचारिणः किं फलम् ?	2
7. आर्द्रपादस्तु किं कुर्यात् ?	2
8. नामकरणसंस्कारः कदा करणीयः ?	2
9. महायज्ञाः कति ?	2
10. सूर्यं कदा नावलोकयेत् ?	2
11. शतं वर्षाणि कः जीवति ?	2
12. परतोकं जीवेन सह को गच्छति ?	2
13. वर्णाः कति ?	2

खण्डः- 'स'

दीर्घोत्तरात्मकाः प्रश्नाः ।

14. सन्तोषस्य प्रशंसां लिखत ।	3
-------------------------------	---

अथवा

विवादः कैः सह न करणीयः?

15. बिडालव्रतिकस्य लक्षणं लिखत ।	3
अथवा	

बकव्रतिकस्य लक्षणं लिखत ।

16. मलमूत्रविसर्जनं कुत्र न कुर्यात् ?	3
--	---

अथवा

स्नातकः किं किं न धारयेत् ?

17. धर्मसूत्रकाराणां नामानि लिखत ।	3
------------------------------------	---

अथवा

धर्मस्य लक्षणं लिखत ।

खण्डः- 'द'

निबन्धात्मकाः प्रश्नाः ।

18. गौतमधर्मसूत्रस्य परिचयं लिखत ।	4
------------------------------------	---

अथवा

रुद्रधरस्य परिचयो देयः ।

19. विज्ञानेश्वरस्य व्यक्तित्वं वर्णयत ।	4
--	---

अथवा

व्यासस्य परिचयो लेख्यः ।

20.

मनुस्मृतेः परिचयो वर्णनीयः ।

4

अथवा

कात्यायनस्य व्यक्तित्वं कृतित्वं च लिखत ।

BSEER

प्रश्नपत्र - योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- ज्योतिषशास्त्रम् - VU- 90

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-56

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	17	30.35%
2	अवबोधः	14½	25.89%
3.	ज्ञानोपयोगः	13	23.21%
4	कौशलम्	06	10.71%
5	विश्लेषणम्	05½	09.82%
योगः		56	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	½	9	14.28%	15निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	10/1	½	5	08.93%	15निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/1	1	10	14.28%	25निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	1½	15	32.14%	60निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	3/3	3	9	16.09%	40निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	2/2	4	8	14.28%	40निमेषाः
योगः		53/18		56	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	बीजगणितम्	20	35.71%
2.	मुहूर्तचिन्तामणिः	20	35.71%
3.	जन्मपत्रप्रबोधः	16	28.57%
योगः		56	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - ज्योतिषशास्त्रम् - VU- 90

पूर्णांकाः -56 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्					अवबोधः					ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः					कौशलम्/मौलिकता					विश्लेषणम्					योगः	
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु. लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः		
1.	बीजगणितम्	1(1)	1/2 (-)	1 (-)	3 (2)	3 (1)	1 (-)	1/2 (-)	1 (-)	1 1/2 (-)		1 (-)	1/2 (-)	1 (-)	1 1/2 (1)		1/2 (-)	1/2 (-)		1 1/2 (1)				1 (-)				20(7)
	मुहूर्तचिन्तामणिः	1/2 (-)	1/2 (1)	1 (-)		4(1)	1 1/2 (-)	1/2 (-)	1 (-)	1 1/2 (1)	3(1)	1 (-)	1/2 (-)	1 (-)	1 1/2 (1)		1/2 (-)			1 1/2 (1)				1/2 (-)				20(6)
	जन्मपत्रप्रबोधः	1/2 (-)	1/2 (-)		1 1/2 (1)		1/2 (-)		1 (1)	1 1/2 (1)		1/2 (-)	1/2 (-)	1 (-)		3 (1)	1/2 (-)		1 (-)								4(1)	16(5)
	योगः	2(1)	1 1/2 (1)	2 (-)	3 4 1/2 (1) (3)	4 (1)	3 (-)	1 (-)	3 (1)	4 1/2 (3)	3 (1)	2 1/2 (-)	1 1/2 (-)	3 (-)	3 (2)	3 (1)	1 1/2 (-)	1/2 (-)	1 (-)	3 (2)	3 (1)			1/2 (-)	1 (-)		4(1)	
सर्वयोगः		17(7)					14 1/2 (5)					13 (3)					6(2)					5 1/2 (1)					56(18)	

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

No. of Questions-18

No. of printed Pages

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- ज्योतिषशास्त्रम् - VU- 90

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

समयः- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- ज्योतिषशास्त्रम् - VU- 90

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 56

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X $\frac{1}{2}$ =9

(i) विषमराशौ आद्यहोरा भवति -

$\frac{1}{2}$

(अ) चन्द्रस्य

(ब) सूर्यस्य

(स) बुधस्य

(द) शुक्रस्य

(ii) अष्टोत्तरीमहादशायां वर्षाणि भवन्ति-

$\frac{1}{2}$

(अ) 50

(ब) 90

(स) 110

(द) 108

(iii) वृषाधिपतिरस्ति -

$\frac{1}{2}$

(अ) भौमः

(ब) शुक्रः

(स) सूर्यः

(द) चन्द्रः

(iv) एकस्मिन् अंशे कलाः भवन्ति -

$\frac{1}{2}$

(अ) 60

(ब) 90

(स) 30

(द) 180

(v) अयने भवतः -

$\frac{1}{2}$

(अ) 5

(ब) 2

(स) 4

(द) 3

(vi) परवर्गाढ्यं गजैः शेषितं-----इत्यत्र 'गजैः' इति पदेन प्रतीयते -

$\frac{1}{2}$

(अ) 9

(ब) 10

(स) 8

(द) 12

(vii) रिक्तातिथयः सन्ति-

$\frac{1}{2}$

(अ) 4,9,14

(ब) 3,8,13

(स) 2,7,12

(द) 5,10,15

- (viii) 'युतं नवासं नगशेषकं'----- इत्यत्र 'नगः' इत्यनेन ज्ञायते - $\frac{1}{2}$
 (अ) 10 (ब) 20
 (स) 25 (द) 7
- (ix) पञ्चाग्निना ज्ञायते - $\frac{1}{2}$
 (अ) 35 (ब) 15
 (स) 25 (द) 45
- (x) यमदिशा अस्ति - $\frac{1}{2}$
 (अ) पूर्वम् (ब) उत्तरम्
 (स) दक्षिणम् (द) पश्चिमम्
- (xi) हस्तेन आकृष्य मुखाग्रे ददन्----- । $\frac{1}{2}$
 (अ) ताम्रम् (ब) सुवर्णम्
 (स) रजतम् (द) केतकपत्रम्
- (xii) क्षेपकरहितकुट्टकः कथ्यते- $\frac{1}{2}$
 (अ) स्थिरकुट्टकः (ब) सामान्यकुट्टकः
 (स) संश्लिष्टकुट्टकः (द) विशिष्टकुट्टकः
- (xiii) 'क्षयगैकादशोद्धृताः----- इत्यत्र 'एकादशभिर्ज्ञायते' - $\frac{1}{2}$
 (अ) 21 (ब) 31
 (स) 11 (द) 41
- (xiv) पञ्चवर्जितशतद्वयं भवति- $\frac{1}{2}$
 (अ) 125 (ब) 150
 (स) 250 (द) 195
- (xv) स्वमूले भवतः - $\frac{1}{2}$
 (अ) ऋणम् (ब) स्वम्
 (स) धनर्णे (द) क्षयः
- (xvi) स्वर्णघाते भवति - $\frac{1}{2}$
 (अ) वर्गम् (ब) क्षयः
 (स) धनम् (द) स्वम्
- (xvii) क्षययोः युतिः स्यात् - $\frac{1}{2}$
 (अ) वर्गे (ब) योगे
 (स) गुणिते (द) वर्गमूले

(xviii) भास्कराचार्येण प्रणीतो गणितग्रन्थोऽस्ति -

$\frac{1}{2}$

(अ) बीजगणितम्

(ब) मुहूर्तपञ्चाङ्गम्

(स) रामायणम्

(द) रघुवंशम्

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

$10 \times \frac{1}{2} = 5$

- (i) एकस्मिन् संवत्सरे.....मासाः भवन्ति । $\frac{1}{2}$
- (ii) एकस्यां राशौ अंशाः भवन्ति । $\frac{1}{2}$
- (iii) वामो रविर्मृत्युः..... लाभतो । $\frac{1}{2}$
- (iv) गोसिंहनक्रमिथुनं..... मध्ये । $\frac{1}{2}$
- (v) रवौ कर्कमीनालिसंस्थे..... दीर्घा । $\frac{1}{2}$
- (vi) यदि पृच्छितनौवसुधा..... शुभवस्तु यदि श्रुतिदर्शनगम् । $\frac{1}{2}$
- (vii) एको हरश्चेद्-----विभिन्नौ । $\frac{1}{2}$
- (viii) शेषस्तयोः स्याद्-----सः । $\frac{1}{2}$
- (ix) विभिन्नजात्योश्च..... स्थितिश्च । $\frac{1}{2}$
- (x) द्वयोर्द्वयोश्चेद्..... द्विनिघ्नीम् । $\frac{1}{2}$

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

$10 \times 1 = 10$

- (i) 'स्यात् त्रयोदशहता-----' त्रयोदशभिः किं ज्ञायते? 1
- (ii) पञ्चवर्जितशतद्वयेन कति भवन्ति ? 1
- (iii) रू 2 रू 3 गुणनफलं किं भवति? 1
- (iv) $\sqrt{9} \dots \dots \dots$ अस्य मूल्यं किम् ? 1
- (v) जननराशितनूयदिलग्रगे तदा कस्य विजयः भवेत् ? 1
- (vi) जनुपञ्चसप्तत्रिताराश्च कीदृशाः भवन्ति ? 1
- (vii) गोसिंहनक्रमिथुनं कुत्र न निवसेत्? 1
- (viii) दक्षिणानयनं कदा भवति? 1
- (IX) एकस्मिन् द्वादशांशे कति अंशाः भवन्ति ? 1
- (X) कुण्डल्यां त्रिकोणस्थानानि कानि ? 1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

$10 \times 1 \frac{1}{2} = 15$

4. यत्र भाज्यः 5 हारः 3 क्षेपः 23 तत्र गुणकः प्रसाध्यः ।

$1 \frac{1}{2}$

- | | |
|--|----|
| 5. संश्लिष्टकुट्टकसूत्रं लिखत । | 1½ |
| 6. त्रयात् द्वयं स्यात् स्वं संशोध्य शेषं वद । | 1½ |
| 7. (3) 2 ¹ वर्गं किम्? | 1½ |
| 8. वर्गमूले च करणसूत्रं लिखत । | 1½ |
| 9. यात्रायां तिथिनक्षत्रयोर्विचारः लेख्यः । | 1½ |
| 10. यात्रायां घातनक्षत्राणि लेख्यानि । | 1½ |
| 11. काकिणीविचारः कथं क्रियते? । | 1½ |
| 12. के षट् वर्गाः? ते लेखनीयाः । | 1½ |
| 13. होराज्ञानचक्रं लिखत । | 1½ |

खण्डः-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 14. (य+1) + (2 य + 8) = योगफलमानयत । | 3 |
| अथवा | |
| 16 य ² - 48 य + 36 = वर्गमूलं स्पष्टयत । | |
| 15. यात्रायां घातचन्द्रविचारः वर्णनीयः । | 3 |
| अथवा | |
| यात्रायां सर्वाङ्गसाधनं लेखनीयम् । | |
| 16. विंशोत्तरीमहादशासाधनविधिर्लेख्यः । | 3 |
| अथवा | |
| ग्रहाणां नैसर्गिकमित्रामित्रविचारः वर्णनीयः । | |

खण्डः-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 17. गृहारम्भे वृषवास्तुचक्रं लेखनीयम् । | 4 |
| अथवा | |
| गृहप्रवेशे कुम्भचक्रं वर्णनीयम् । | |
| 18. यत्र सूर्योदयः 05/58 जन्मसमयः प्रातः 09/50 जन्मर्क्षं चित्रा 25/52 गतर्क्षञ्च 26/48 तत्र
इष्टकालसहितं भयात-भभोगयोः साधनं कुरुत । | 4 |

अथवा
चरणसहितानि नक्षत्राणि लेख्यानि ।

BSEER

प्रश्नपत्र-योजना, 2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषय:- वास्तुविज्ञानम् - VU- 92

अवधि:- 3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-56

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.स.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	15½	27.67%
2	अवबोधः	14½	25.89%
3.	ज्ञानोपयोगः	11	19.64%
4	कौशलम्	08	14.28%
5	विश्लेषणम्	07	12.50%
योगः		56	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकाराः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलाकाः	प्रतिशतम् अंकानाम्	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	½	9	14.28%	15निमेषाः
2	रिक्तस्थानम्	10/1	½	5	08.93%	15निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/1	1	10	14.28%	25निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	1½	15	32.14%	60निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	3/3	3	9	16.09%	40निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	2/2	4	8	14.28%	40निमेषाः
योगः		53/18		56	100	195निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र. सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्- अंकाः
1.	भूमिपरिचयः लक्षणञ्च	12	21.42%
2.	दिक्साधनम्	11	19.64%
3.	रात्रौ दिक्साधनस्य प्रकाराः	11	19.64%
4.	वर्णक्रमेण भूमिपरीक्षणम्	11	19.64%
5.	शिलान्यासपद्धतिः	11	19.64%
योगः		56	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा-वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - वास्तुविज्ञानम् - VU- 92

पूर्णांकाः -56 अङ्काः

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः	
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः		
1.	भूमिपरिचयः लक्षणञ्च	1(1)	½ (-)	1 (-)	1½ (1)			1 (-)	½ (-)	1(-)	1½(1)			½ (-)					½ (-)												3(1)		12(4)
	दिक्साधनम्	½ (-)						½ (-)				3(1)		½ (-)	½(-)	1(-)	1½(1)			½ (-)	½ (1)	1(-)	1½ (1)										11(4)
	रात्रौ दिक्साधनस्य प्रकाराः	½ (-)	½ (-)	1 (1)	1½ (1)			½ (-)	½ (-)	1(-)	1½(1)			½ (-)				3 (1)		½ (-)													11(4)
	वर्णक्रमेण भूमिपरीक्षणम्	½ (-)					4 (1)	½ (-)						½ (-)	1(-)	1½ (1)				½ (-)	1 (-)	1½ (1)											11(3)
	शिलान्यासपद्धतिः		½ (-)	1 (-)	1½ (1)				½ (-)	1(-)	1½(1)			½ (-)						½ (-)											4(1)		11(3)
	योगः	2½ (1)	1½ (-)	3 (1)	4½ (3)		4 (1)	2½ (-)	1½ (-)	3(-)	4½ (3)	3 (1)		2 (-)	1 (-)	2(-)	3 (2)	3 (1)		2 (-)	1 (1)	2 (-)	3 (2)								3(1)	4(1)	
सर्वयोगः		15½(6)						14½ (4)						11 (3)						8(3)						7 (2)						56(18)	

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति । अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा ।

No. of Questions-18

No. of printed Pages

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- वास्तुविज्ञानम् - VU- 92

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

समयः-3 : 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1)परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः- वास्तुविज्ञानम् - VU- 92

समयः- 3:15(सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 56

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X½=9

(i) नो मङ्गलं दिशतु-

½

(अ) कालिदासः

(ब) विनायकः

(स) भारविः

(द) माघः

(ii) वायव्यकोणेषु वासः प्रोक्तः -

½

(अ) भयम्

(ब) अतिशुभम्

(स) शुभम्

(द) धनदम्

(iii) कुशकाशाकुला भूमिरुच्यते -

½

(अ) ब्राह्मणी

(ब) शूद्रा

(स) क्षत्रिया

(द) वैश्या

(iv) भूमिपरीक्षणाय भूमिं खनेत् -

½

(अ) अङ्गुलीद्वयम्

(ब) हस्तद्वयम्

(स) अष्टाङ्गुलीमात्रम्

(द) हस्तमात्रम्

(v) शिलान्यासे प्रथमां शिलां न्यसेत् -

½

(अ) दक्षिणपूर्वे

(ब) दक्षिणपश्चिमे

(स) उत्तरपूर्वे

(द) उत्तरपूर्वे

(vi) भूमिशोधनाय क्षत्रियस्य सूत्रं स्यात् -

½

(अ) दर्भजम्

(ब) मौञ्जम्

(स) कार्पासम्

(द) स्वर्णनिर्मितम्

(vii) एकस्यां राशौ चरणानि भवन्ति -

½

(अ) चत्वारि

(ब) अष्टौ

(स) नव

(द) सप्त

(viii) गृहसमीपे स्थिताः के वृक्षाः धनं नाशयन्ति? - $\frac{1}{2}$

- (अ) सदुग्धवृक्षाः (ब) सकण्टकवृक्षाः
(स) फलिनवृक्षाः (द) कलधौतपुष्पाः

(ix) मकरकुम्भयोः स्वामी अस्ति - $\frac{1}{2}$

- (अ) शुक्रः (ब) भौमः
(स) शनिः (द) चन्द्रः

(x) दिक्साधनं क्रियते - $\frac{1}{2}$

- (अ) गृहनिर्माणे (ब) उत्सवे
(स) विवाहे (द) कोलाहले

(xi) मार्कटिकाभ्यां दिक्साधनं कदा क्रियते ? $\frac{1}{2}$

- (अ) दिने (ब) पूर्वाह्ने
(स) मध्याह्ने (द) रात्रौ

(xii) प्रशक्ता भूमिर्भवति- $\frac{1}{2}$

- (अ) मधुरासिताभा (ब) अविचारणीया
(स) संदिग्धा (द) निन्दनीया

(xiii) नक्षत्राणि कति भवन्ति ? $\frac{1}{2}$

- (अ) 25 (ब) 27
(स) 24 (द) 29

(xiv) वृक्षोपेता भूमिर्भवति- $\frac{1}{2}$

- (अ) सुप्ता (ब) मृता
(स) जीविता (द) उत्थिता

(xv) भूमिपरीक्षणे स्वातं पूरयेत् - $\frac{1}{2}$

- (अ) मृत्तिकया (ब) जलेन
(स) प्रस्तरैः (द) वस्त्रैः

(xvi) पूर्वे को रक्षतु ? $\frac{1}{2}$

- (अ) भैरवः (ब) वाराहः
(स) गोविन्दः (द) शिवः

(xvii) विघ्नविनाशकोऽस्ति - $\frac{1}{2}$

- (अ) गणेशः (ब) कुमारः
(स) दुर्गा (द) चण्डिका

(xviii) शरीरप्रोक्षणं केन क्रियते ?

½

(अ) दुग्धेन

(ब) वस्त्रेण

(स) मृत्तिकया

(द) कलशोदकेन

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

10x½ = 5

- (i) गेहं पूर्वमुशन्ति तेन.....श्रीविश्वकर्मादयः । ½
- (ii) अस्मा भूमिर्भवेद् तिक्ता शूद्रा प्रकीर्तिता । ½
- (iii) नागपृष्ठे यदा वासो..... न संशयः । ½
- (iv) आदित्यादिगृहे.....द्रव्यभाण्डं प्रजायते । ½
- (v) जाता यत्र युतिस्तु शंकुतलतो..... स्तः स्फुटे । ½
- (vi) कूर्मपृष्ठेनित्योत्साहसुखप्रदः । ½
- (vii) निखनेद्वस्तमात्रेण-----पूरयेत् । ½
- (viii) राहोर्मुखं-----विलोमतः । ½
- (ix) यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स..... शुचिः । ½
- (x) सर्वेषाम्.....समारभे । ½

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x1 = 10

- (i) वास्तुपुरुषं कः कल्पितवान्? 1
- (ii) कृष्णाभूमिः केन नाम्नोच्यते ? 1
- (iii) राशयः कति भवन्ति? 1
- (iv) शम्भुकोणे प्लवा भूमिः कीदृशी ? 1
- (v) 'अ' वर्गस्य स्वामी कः ? 1
- (vi) ध्रुवतारकेण दिक्साधनं कदा क्रियते ? 1
- (vii) गोसिंहनक्रमिथुनं कुत्र न निवसेत्? 1
- (viii) कीदृशी भूमिः दूरतः परिहर्तव्या? 1
- (IX) 'ॐ स्वस्ति न इन्द्रो-----' कस्यायं मन्त्रः? 1
- (X) योगिन्यः कति भवन्ति ? 1

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x1½ = 15

4. वास्तुपुरुषस्य स्वरूपं कीदृशम् ? लिखत ।

1½

- | | |
|---|----|
| 5. श्रौतस्मार्तक्रियाः निष्फलाः कदा भवन्ति ? | 1½ |
| 6. वर्णपरत्वेन भूमिलक्षणानि कानि ? | 1½ |
| 7. नक्षत्राणि कति भवन्ति? कानि च तानि? | 1½ |
| 8. सर्वजनवासयोग्या भूमिः कीदृशी ? वर्णयत । | 1½ |
| 9. दिग्ज्ञानसाधनविधिर्लेख्यः । | 1½ |
| 10. वर्गज्ञानसाधनप्रकारः लेखनीयः । | 1½ |
| 11. भद्रातिथयः लेखनीयाः । | 1½ |
| 12. आसन-पूजनमन्त्रं लिखत । | 1½ |
| 13. 'ॐ तत्वा यामि ब्रह्मणा-----' एतन्मन्त्रं प्रपूरयत । | 1½ |

खण्ड:-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- | | |
|--|---|
| 14. रात्रौ दिक्साधनविधिः वर्णनीयः । | 3 |
| अथवा | |
| गृहनिर्माणस्य हेतुपुरस्सरं गृहनिर्माणफलं लिखत । | |
| 15. प्रश्नाज्जीवितादिभूमिज्ञानं विलिख्य तत्फलञ्च लेखनीयम् । | 3 |
| अथवा | |
| 'देवालये गेहविधौ-----' एतच्छ्लोकं प्रपूर्य अस्याशयो वर्णनीयः । | |
| 16. गृहारम्भे काकिणीसाधनविधिर्लेखनीयः । | 3 |
| अथवा | |
| राशिभेदाद् ग्रामवासविचारः वर्णनीयः । | |

खण्ड:-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 17. सश्लोकं कल्पद्रुमोक्तभूमिलक्षणानि लेखनीयानि । | 4 |
| अथवा | |
| 'श्वेता शस्ता.....' एतच्छ्लोकं प्रपूर्य अस्याशयो वर्णनीयः । | |
| 18. कलशस्थापनमन्त्रं समुचितं सवेदविधञ्च लिखत । | 4 |
| अथवा | |
| 'ॐ गणानान्त्वा गणपति ६ ----- ' एतन्मन्त्रं प्रपूर्यताम् । | |

प्रश्नपत्र - योजना -2025

कक्षा- वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः-संस्कृतवाङ्मयः (अनिवार्यः) - VU-94

अवधि:- 3 : 15 - (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः-80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः -

क्र.सं.	उद्देश्यम्	अंकभार	प्रतिशतम्
1.	ज्ञानम्	24	30.00%
2	अवबोधः	24	30.00%
3.	ज्ञानोपयोगः	16	20.00%
4	कौशलम्	08	10.00%
5	विश्लेषणम्	08	10.00%
योगः		80	100%

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः-

क्र. सं.	प्रश्नानां प्रकारः	प्रश्नानां संख्याः	प्रतिप्रश्नम् अंकाः	कुलङ्काः	प्रतिशतम् (अङ्कानाम्)	सम्भावितः समयः
1.	बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः	18/1	1	18	22.50%	20निमेषाः
2	रिक्तस्थानानि	6/1	1	06	7.50%	7 निमेषाः
3	अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः	12/1	1	12	15.00%	18निमेषाः
4	लघूत्तरात्मकप्रश्नाः	10/10	2	20	25.00%	50निमेषाः
5	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	4/4	3	12	15.00%	50निमेषाः
6	निबंधात्मकप्रश्नाः	3/3	4	12	15.00%	50निमेषाः
योगः		53/20	-	80	100	195 निमेषाः

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः

क्र.सं.	विषयवस्तुः	अंकभारः	प्रतिप्रश्नम्-अंकाः
1.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरणम् एवं भूधातोः दशलकारेषु)	30	37.50%
2.	शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य द्वितीयनिश्वासः)	10	12.50%
3.	नीतिशतकम् (51श्लोकतः 100 श्लोकपर्यन्तम्)	10	12.50%
4.	अमरकोषः (मनुष्यवर्गः)	10	12.50%
5.	अवकहडाचक्रम्	10	12.50%
6.	रचनानुवादः	10	12.50%
योगः		80	100

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा- वरिष्ठोपाध्याय:विषयः - संस्कृतवाङ्मयः (अनिवार्यः) VU- 94

अवधि:- सपादहोरात्रयम् पूर्णांकाः - 80

क्र. सं.	उद्देश्यविधाः/उपविधाः	ज्ञानम्						अवबोधः						ज्ञानोपयोगः / अभिव्यक्तिः						कौशलम्/मौलिकता						विश्लेषणम्						योगः	
		बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः	बहुवि. प्रश्नाः	रिक्तस्थानम्	अति. लघु.	लघूत्तरात्मकः	दीर्घोत्तरीयः	निबन्धात्मकः		
1.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरणम् एवं भूधातोः दशलकारेषु)	9(1)	3(1)							3(1)	4(2)					4(2)	3(1)														4(1)	30(9)	
2.	शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य द्वितीयनिश्वासः)	2(-)	1(-)							1(-)								4(1)				2(1)										10(2)	
3.	नीतिशतकम् (51 श्लोकतः 100 श्लोकपर्यन्तम्)	2(-)	1(-)							2(-)						2(1)	3(1)															10(2)	
4.	अमरकोषः (मनुष्यवर्गः)	2(-)								4(-)	4(2)																						10(2)
5.	अवकहडाचक्रम्	3(-)	1(-)							2(-)	4(2)																						10(2)
6.	रचनानुवादः																		6(2)											4(1)	10(3)		
	योगः	18(1)	6(-)							12(1)	12(6)					6(3)	6(2)	4(1)				2(1)	6(2)							8(2)			
सर्वयोगः		24(2)						24(7)						16(6)						8(3)						8(2)						80(20)	

विकल्पयोजना :- खण्ड-स-द-योः” प्रत्येकं प्रश्नः आन्तरिकविकल्पात्मकः अस्ति ।

अवधेयम् - कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आन्तरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका ।

यह ब्लू प्रिन्ट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा ।

No. of Questions-20

No. of printed Pages

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2025

विषय:- संस्कृतवाङ्मयः (अनिवार्यः) – VU- 94

समयः 3:15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः- 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रस्य उपरि नामांकाः अनिवार्यतः लेख्याः ।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि ।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि ।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि ।

आदर्शप्रश्नपत्रम्-2025

कक्षा-वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः-संस्कृतवाङ्मयः (अनिवार्यः)

समयः- 3: 15 (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः - 80

खण्डः-"अ"

1. बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः-

18X1 = 18

(i) 'हलो यमां यमि लोपः' इति सूत्रमस्ति -

1

(अ) संज्ञासूत्रम्

(ब) अधिकारसूत्रम्

(स) विधिसूत्रम्

(द) अतिदेशसूत्रम्

(ii) 'संस्कृतं भक्षाः' इति सूत्रेण प्रत्ययो भवति -

1

(अ) अण्

(ब) अञ्

(स) घञ्

(द) घन्

(iii) 'एकादशः' इत्यत्र प्रत्ययो भवति-

1

(अ) ड

(ब) डट्

(स) मयट्

(द) क्त

(iv) 'पण्डितः' इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति -

1

(अ) क्त

(ब) इत

(स) इतच्

(द) अयच्

(v) कुत्सितोऽश्वः भवति -

1

(अ) अनश्वः

(ब) आश्विकः

(स) अश्वकः

(द) आश्वकः

(vi) लकाराणां संख्या भवति -

1

(अ) अष्ट

(ब) पञ्च

(स) सप्त

(द) दश

(vii) "लः परस्मैपदम्" इति सूत्रेण संज्ञा भवति-

1

(अ) परस्मैपदम्

(ब) आत्मनेपदम्

(स) उभयपदम्

(द) काऽपि न

(viii) झस्य अन्तादेशः केन सूत्रेण भवति?

1

(अ) नित्यं ङितः

(ब) भवतेरः

(स) झोऽन्तः	(द) अतो हेः	
(ix) तिङ् -प्रत्ययाः कति भवन्ति -		1
(अ) एकादश	(ब) अष्टादश	
(स) द्वादश	(द) नव	
(x) गौरसिंह आसीत् -		1
(अ)एकादशवर्षीयः	(ब) दशवर्षीयः	
(स)त्रयोदशवर्षीयः	(द) द्वादशवर्षीयः	
(xi) गोपीनाथपण्डितःकस्य सविधे प्रेषितः आसीत्?		1
(अ) शिववीरस्य	(ब) अवरङ्गजीवस्य	
(स)अफजलखानस्य	(द) श्यामसिंहस्य	
(xii)खलसज्जनानां मैत्री भवति -		1
(अ) दिवस इव	(ब) भुजङ्ग इव	
(स)रात्रिरिव	(द) छायेव	
(xiii)मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः -		1
(अ) कार्यम्	(ब)आलस्यम्	
(स)जागरणम्	(द) उद्यमम्	
(xiv) भ्रातृपुत्रस्य नाम अस्ति -		1
(अ) भर्ता	(ब) पितृव्यः	
(स) भ्राता	(द) भ्रातृजः	
(xv)आचार्यस्य पत्नी भवति -		1
(अ)आचार्यानी	(ब)उपाध्यायी	
(स)आचार्याणी	(द) आचार्या	
(xvi)कति नक्षत्राणि विद्यन्ते ?		1
(अ) पञ्चविंशतिः	(ब)सप्तविंशतिः	
(स)विंशतिः	(द) एकोनविंशतिः	
(xvii)चन्द्रमाः कस्य स्वामी ?		1
(अ) मेषस्य	(ब)कर्कस्य	
(स) सिंहस्य	(द) मिथुनस्य	
(xviii) षष्ठेः गुरुवर्णानाम् उच्चारणकालः भवति -		1
(अ)एकं पलम्	(ब) एकातिथिः	
(स) एकघटिः	(द) एकः अंशः	

2.. रिक्तस्थानानि पूरयत-

6x1 = 6

- | | |
|--|---|
| (i)पितृव्यमातुल..... । | 1 |
| (ii) कुमुद..... द्वितुप् । | 1 |
| (iii)यासुट् डिच्च । | 1 |
| (iv) शिवराजविजये प्रत्येकमपि विरामःविभक्तो विद्यते । | 1 |
| (v) भवन्तिफलोद्गमैः । | 1 |
| (vi) अहोरात्रे.....होराः भवन्ति । | 1 |

3. अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

12x1 = 12

- | | |
|--|---|
| (i) कवर्गीयम् इत्यत्र कस्मिन्नर्थे कः प्रत्ययः भवति? | 1 |
| (ii)'पाणिनीयम्' अत्र कः प्रत्ययः भवति? | 1 |
| (iii) 'अभूत्' इत्यत्र कः धातुः कश्च लकारः? | 1 |
| (iv) तानरङ्गः कः आसीत्? | 1 |
| (v) सर्वेषामपि परं भूषणं किम्? | 1 |
| (vi) सम्पत्सु महतां चित्तं कीदृशं भवति? | 1 |
| (vii) पुत्रभार्यायाः त्रीणि नामानि लिखत? | 1 |
| (viii) "कपोलः- हनुः" इत्यनयोः अर्थे को भेदः? | 1 |
| (IX) पत्युः पत्न्याः वा पितुः एकं नाम किम्? | 1 |
| (X) 'महिषी' इत्यत्र किं लिङ्गम्? | 1 |
| (XI) सप्तवासराः मिलित्वा किं कथ्यते? | 1 |
| (XII) ग्रहाः कति भवन्ति? | 1 |

खण्ड:-"ब"

लघूत्तरात्मकप्रश्नाः -

10x2 = 20

- | | |
|--|---|
| 4. 'दाक्षिः' इति रूपं साधयत । | 2 |
| 5. 'सौम्यम्' इति रूपं साधयत । | 2 |
| 6. भवसि' इति रूपं साधयत । | 2 |
| 7. 'आर्धधातुकस्येड् वलादेः' इति सूत्रं व्याख्येयम् । | 2 |
| 8. शिवराजविजयस्य रचनाकारस्य संक्षिप्तपरिचयो देयः । | 2 |

- | | |
|---------------------------------------|---|
| 9. भर्तृहरेः संक्षिप्तपरिचयो देयः । | 2 |
| 10. पत्युः चत्वारि नामानि लिखत । | 2 |
| 11. पुत्रस्य पञ्च नामानि लिखत । | 2 |
| 12. योगानां त्याज्याः घट्यः लेख्याः । | 2 |
| 13. ऋतुपरिभाषां लिखत । | 2 |

खण्ड:-“स”

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- | | |
|---|---|
| 14. अधोलिखितेषु कयोश्चिद् द्वयोः सूत्रयोः व्याख्या कार्या । | 3 |
|---|---|

(अ)भिक्षादिभ्योऽण्(ब) प्रत्ययोत्तरपदयोश्च(स) अनुशतिकादीनाञ्च(द) धान्यानां भवने क्षेत्रे खञ्

- | | |
|---|-----------|
| 15. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसङ्गव्याख्या कार्या । | 1 + 2 = 3 |
|---|-----------|

(क) न कश्चिच्चण्डकोपानामात्मीयो नाम भूभुजाम् ।

होतारमपि जुह्वानं स्पृष्टो दहति पावकः । ।

(ख) रत्नैर्महाहैस्तुतुषुर्न देवाः, न भेजिरे भीमविषेण भीतिम् ।

सुधां विना न प्रययुर्विरामं, न निश्चितार्थाद्विरमन्ति धीराः ॥

- | | |
|--|---------|
| 16. अधोलिखितेषु वाक्येषु केषाञ्चित् त्रयाणां संस्कृतानुवादो विधेयः । | 3x1 = 3 |
|--|---------|

(अ) विष्णु वैकुण्ठ में रहता है ।

(ब) पेड़ से पत्ता गिरता है ।

(स) पुस्तकों से विद्यार्थी प्रतीत होता है ।

(द) छात्रों में भरत श्रेष्ठ है ।

(य) दीपक सिर से गंजा है ।

- | | |
|---|---------|
| 17. अधोलिखितेषु केषुचित् त्रिषु वाक्येषु रेखाङ्कितपदानि संशोधयत । | 3x1 = 3 |
|---|---------|

(अ)सा बालकः गच्छति ।

(ब) गणेशं नमः ।

(स) ग्रामस्य अभितः राजमार्गः अस्ति ।

(द)हिमालयं गङ्गा प्रभवति ।

(य)हरिं कुड्यति ।

खण्ड:-“द”

निबन्धात्मकप्रश्नाः -

- | | |
|---|---------|
| 18. अधोलिखितेषु कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ । | 2x2 = 4 |
|---|---------|

(अ) मारीचिकम् (ब) पार्थिवः (स) सभ्यः (द) ब्राह्मण्यम्

19. अधोलिखितयोः गद्यांशयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसङ्गव्याख्या कार्या ।

1 + 3 = 4

(क) इत्याकर्णयत एव शिववीरस्य अरुणकौशेय-जाल-निबद्धौ मीनाविव नयने सञ्जाते, मुखञ्च बाल-भास्कर- बिम्ब-विडम्बना- माललम्बे, अधरञ्च धीरता धुरामधरीकृतवान् ।

(ख) ततस्तानपूरिकायाः स्वरान् संमेल्य पातित- वामजानुः तानपूरिकातुम्बं क्रोडे निधाय दक्षपादस्योत्थिजानुनि च दक्ष-हस्त-कर्पूर-स्थापन-पुरःसरं तेनैव हस्तेन तर्जन्यङ्गुल्या तानपूरिकां रणयन् स्वकण्ठे नापि त्रीन् ग्रामान् सप्तस्वरांश्च समधात् ।

20. अधोलिखितेषु कमप्येकं विषयमाश्रित्य निबन्धो लेखनीयः । (150शब्दैः)

4

(क) आतङ्कवादः समस्या तत्समाधानञ्च ।

(ख) सङ्गणकस्य उपयोगित्वम् ।

(ग) मानवजीवनस्योद्देश्यम् ।

(घ) गीतायाः उपदेशामृतम् ।